mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-06 अंक-99 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
11 अप्रैल 2026 शनिवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

बंगाल में भाजपा का वादा, महिलाओं को 3 हजार महीना

6 महीने में यूसीसी लागू होगा; ममता बोलीं:सांप पर भरोसा करना, भाजपा पर नहीं

कोलकाता/चेन्नई/गुवाहाटी/तिरुवनंतपुरम , एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के लिए पार्टी का घोषणा पत्र यानी 'भरोसे का पत्र' जारी किया। इसमें महिलाओं को 3 हजार महीना, युवा बेरोजगारों को 3 हजार महीना की मदद, पहले 6 महीने में ष्ष्ट लागू करना और सरकारी कर्मचारियों को 45 दिन में सातवां वेतनमान देने की घोषणा की गई।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पत्र जारी करते हुए कहा बंगाल की जनता के लिए पिछले 15 साल बुरे सपने के जैसे रहे हैं। ममता घुसपैठियों के जरिए तीसरी बार सीएम बनीं हैं। हम घुसपैठियों को डिटेक्ट, डिलीट और डिपोर्ट करेंगे। राज्य में दो फेज में 23 और 29 अप्रैल को वोटिंग होनी है। रिजल्ट 4 मई को आएगा।

इधर, बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने नॉर्थ 24 परगना के टेंटुलिया में चुनावी रैली की। उन्होंने यहां कहा- सांप पर भी भरोसा किया जा सकता है, लेकिन BJP पर नहीं। भाजपा असम चुनाव के लिए बाहर से लोगों को लेकर आई, उसे राज्य के निवासियों के वोटों से जीत का भरोसा नहीं था।

शाह बोले- महिलाओं को हर महीने 3 हजार रुपए देंगे:शाह ने कहा कि पश्चिम बंगाल में सभी सरकारी कर्मचारी को डीए सुनिश्चित किया जाएगा। 7वें वेतनमान को लागू किया जाएगा।

राज्य में लोअर मिडिल क्लास और गरीब में महिलाओं की हालत दयनीय है। जब तक यह सुधार नहीं होता हमारी सरकार हर महीने 1 से 5 तारीख तक हर महिला के खाते में 3 हजार रुपए ट्रांसफर करेगी।

हम बंगाल के सपने को साकार करेंगे:शाह ने कहा कि गुरुदेव की जन्म जयंती के आसपास ही भय के कोहरे से बाहर आकर भरोसे का शासन स्थापित करेगी।15 साल का बुरा सपना एक तरह से हर प्रकार के संकट का परिचायक रहा। हमारा संकल्पपत्र बंगाल के विकास का रास्ता खोलेगा।

यह बंगाल की खोई हुई अस्मिता हासिल करने का अभियान:

शाह ने कहा कि दस साल में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में इसका उदाहरण स्थापित करने का काम किया है। देश के सामने की सभी समस्याओं का निराकरण करने का प्रयास किया। कश्मीर से कन्याकुमारी तक फैले पूरे देश में हर तबके हर वर्ग जाति सभी की आकांक्षाओं को संजोकर नरेंद्र मोदी ने देश की जनता के सामने रखा है। उस सपने को साकार करने के लिए दिन रात प्रयास किया है। कुछ समय पहले हमने हमारी चार्जशीट बंगाल के सामनेरखी थी। वह परिचायक थी कि 15 साल के ममता के शासन में जो घोर निराशा बंगाल की जनता में मौजूद थी। यह शपथ पत्र परिचायक है 15 अप्रैल से 9 मई तक जो चुनावी अभियान चलने वाला है, उस रोड मैप का। यह 24 दिन का अंतराल बंगाल की जनता के सपनों को संजोने का अनुष्ठान है। बंगाल की खोई हुई अस्मिता को फिर से हासिल करने का अभियान है। पूरे देश की सुरक्षा की ढाल बंगाल बने इसका अनुष्ठान है। बंगाली नए साल के दिन हमारी यात्रा शुरू होगी।

AIMIM ने कबीर की पार्टी से गठबंधन तोड़ा

असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम ने हुमायूं कबीर की पार्टी आम जनता उन्नयन पार्टी से गठबंधन तोड़ लिया है। दोनों पार्टियों ने 25 मार्च को पश्चिम बंगाल चुनाव साथ लड़ने की घोषणा की थी। अब चुनाव में अकेले उतरेगी।

हैंडल पर लिखा गया- हुमायूं कबीर के हालिया खुलासों ने यह दिखा दिया है कि बंगाल के मुसलमान कितने असुरक्षित हैं। ऐसे किसी भी बयान से खुद को नहीं जोड़ सकती, जिसमें मुसलमानों की निष्ठा या ईमानदारी पर सवाल उठाए जाएं।

राज्यसभा सांसद बने सीएम नीतीश मांझी बोले: बिहार विल मिस यू

आरजेडी ने कहा- राज्य में उनकी सेवा समाप्त होती है

पटना, एजेंसी। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज शुक्रवार को राज्यसभा सांसद की शपथ ली। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने उन्हें शपथ दिलाई। इस दौरान बिहार एनडीए नेताओं के साथ-साथ केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण, जेपी नड्डा, अर्जुन राम मेघवाल भी मौजूद रहे।संजय झा ने सिग्नेचर करने के लिए उन्हें पेन दिया। इसके बाद मुख्यमंत्री ने कहा, हो गया.. चलें...। जिसपर फोटो सेशन के लिए रूकने को कहा गया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने चारों सदन का सदस्य बनने का रिकॉर्ड बनाया है। वो पहली बार राज्यसभा पहुंचे हैं, जबकि इसके पहले लोकसभा, बिहार विधान परिषद और विधानसभा के सदस्य रह चुके हैं।इससे पहले सुबह दिल्ली में उनसे मिलने बिहार के बड़े नेता पहुंचे। JDU के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा, राज्यसभा सांसद रामनाथ ठाकुर ने सुबह मुलाकात की। फिर डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी, मंत्री अशोक चौधरी और मदन सहनी ने मुलाकात की।

हरिवंश नारायण सिंह राज्यसभा के लिए नामित

नई दिल्ली,एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने हरिवंश नारायण सिंह को राज्यसभा का नामित सदस्य नियुक्त किया हैद्य शुक्रवार को जारी गृह मंत्रालय की अधिसूचना के अनुसार एक सदस्य की सेवानिवृत्ति के बाद खाली हुई सीट पर राष्ट्रपति ने उन्हें मनोनीत किया है। यह रिक्ति भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई की सेवानिवृत्त के बाद हुई थी। उल्लेखनीय है कि हरिवंश जाने-माने पत्रकार रहे हैं। वे लंबे तक हिंदी अखबार प्रभात खबर के प्रधान संपादक रहे और पत्रकारिता में उनकी अलग पहचान रही है। वे जनता दल यूनाइटेड के साथ जुड़े। उन्हें 2014 में बिहार से राज्यसभा सदस्य बनाया गया। हरिवंश नारायण सिंह 9 अगस्त 2018 को राज्यसभा के उपसभापति बनाए गए। इसके बाद फिर 14 सितंबर 2020 को राज्यसभा के उपसभापति निर्वाचित हुए थे। संसद में उनकी भूमिका संतुलित और शांत तरीके से काम करने वाली मानी जाती है।

जस्टिस यशवंत वर्मा ने इस्तीफा दिया

प्रयागराज ,एजेंसी। इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा ने राष्ट्रपति को अपना इस्तीफा सौंप दिया है। इससे पहले, 14 मार्च 2025 को उनके दिल्ली स्थित घर में लगी आग में 500-500 के नोटों के बंडल जले मिले थे। इस विवाद के बाद उन्हें दिल्ली हाईकोर्ट से इलाहाबाद हाईकोर्ट ट्रांसफर कर दिया गया था। उन्होंने 5 अप्रैल 2025 को इलाहाबाद हाईकोर्ट में शपथ ली थी। हालांकि उन्हें कोई जिम्मेदारी नहीं दी गई थी। जब तक उनके खिलाफ चल रही जांच पूरी नहीं हो जाती, उन्हें न्यायिक कामों से दूर रखा गया था।

कैश कांड के बाद जस्टिस वर्मा ने अपने खिलाफ लाए गए महाभियोग प्रस्ताव को चुनौती दी थी। याचिका में कहा गया कि दोनों सदनों में महाभियोग प्रस्ताव लाया गया था, लेकिन राज्यसभा ने उसे मंजूर नहीं किया। इसके बावजूद लोकसभा ने अकेले जांच समिति बना दी, जो उनके अनुसार गलत है।

फिर 6 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि जांच समिति के गठन में कुछ खामियां दिखाई देती हैं। हालांकि कोर्ट यह देखेगा कि क्या यह खामी इतनी गंभीर है कि पूरी कार्यवाही को रद्द किया जाए। सुप्रीम कोर्ट ने 8 जनवरी यशवंत वर्मा की याचिका पर फैसला सुरक्षित रखा। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की बेंच ने दो दिन की सुनवाई के बाद यह निर्णय लिया। हालांकि बेंच ने जस्टिस वर्मा को पार्लियामेंट्री कमेटी के सामने जवाब दाखिल करने के लिए समय बढ़ाने से मना कर दिया।

छत्तीसगढ़ में 2 कारें भिड़ीं कॉन्स्टेबल का परिवार खत्म,6 मौतें

पत्नी, दामाद, बहन और भांजे समेत 6 की जान गई, शादी से लौट रहे थे

कांकेर, एजेंसी।छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में भीषण सड़क हादसे में कॉन्स्टेबल मुनेंद्र नेताम के परिवार के चार लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हैं। हादसा नेशनल हाईवे-30 पर कोतवाली थाना क्षेत्र में दो कारों की आमने-सामने टक्कर से हुआ।

जानकारी के मुताबिक, उड़कुडा निवासी नेताम परिवार गुरुवार रात करीब 11 बजे चीवरांज में शादी से लौट रहा था। नाथिया नवागांव के पास उनकी कार दूसरी कार से टकरा गई। टक्कर इतनी तेज थी कि 6 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

मृतकों में मुनेंद्र नेताम की पत्नी कुंती नेताम, दामाद शगुनदास नेताम, बहन मकतुला नेताम और 7 साल का भांजा वंश नेताम के साथ दो रिश्तेदार भी शामिल हैं। हादसे में दोनों वाहनों के तीन लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। प्राथमिक उपचार के

बाद सभी को रायपुर रेफर किया गया है। टक्कर में दोनों कारें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।दूसरी कार में सवार दो युवक घायल हुए हैं। बताया जा रहा है कि उनकी कार तेज रफ्तार में थी और ट्रक को ओवरटेक करते समय सामने से आ रही स्विफ्ट डिजायर से टकरा गई।

रिपोर्ट- ईरान ने अमेरिका से बातचीत से इनकार किया:

कहा: लेबनान में सीजफायर लागू होने तक कोई डील नहीं; कल पाकिस्तान में बातचीत होनी है

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी।ईरान ने पाकिस्तान में होने वाली सीजफायर डील में शामिल होने से इनकार कर दिया है। ईरानी मीडिया फार्स न्यूज एजेंसी के अनुसार, ईरान ने कहा है कि जब तक लेबनान में सीजफायर लागू नहीं हो जाता वह बातचीत नहीं करेगा।इससे पहले अमेरिकी वेबसाइट वॉल स्ट्रीट जनरल ने खबर दी थी कि ईरानी डेलिगेशन गुरुवार शाम पाकिस्तान पहुंच गया है। इसमें संसद अध्यक्ष गालिबाफ और विदेश मंत्री अराघची शामिल हैं। हालांकि फार्स न्यूज ने इसे फेक बताया।इससे पहले 7 अप्रैल को अमेरिका और ईरान 2 सप्ताह के सीजफायर पर सहमत हुए थे। यह भी तय हुआ था कि दोनों देशों के नेता पाकिस्तान में मीटिंग के लिए मिलेंगे। बातचीत शनिवार को इस्लामाबाद में होनी है।

ईरान ने लेबनान में सीजफायर होने तक बातचीत से इनकार किया

ईरान पाकिस्तान में होने वाली सीजफायर बातचीत में शामिल नहीं होगा। ईरानी मीडिया फार्स न्यूज एजेंसी के अनुसार, ईरान ने कहा है कि जब तक लेबनान में सीजफायर लागू नहीं हो जाता वह बातचीत नहीं करेगा।रिपोर्ट में कहा गया है कि ईरानी प्रतिनिधिमंडल इस्लामाबाद नहीं पहुंचा है और उसका वहां जाने का कोई प्लान भी नहीं है। एजेंसी ने उन खबरों को भी खारिज किया, जिनमें कहा गया था कि ईरानी टीम बातचीत के लिए पहुंच चुकी है।अमेरिकी मीडिया वॉल स्ट्रीट जर्नल ने इससे पहले खबर दी थी कि बातचीत शुरू करने के लिए ईरानी प्रतिनिधिमंडल इस्लामाबाद पहुंच चुका है।

'स्मार्टफोन पर 6 घंटे खर्च करना भी बीमारी'

योगी बोले:किडनी खराब तो चल जाएंगे, हार्ट ब्लॉक हुआ तो दूसरे लोक की यात्रा हो जाएगी

लखनऊ,एजेंसी। लखनऊ में सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज अस्पतालों की OPD पर अत्यधिक दबाव है। किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (KGMU) में रोजाना 12,000 से 14,000 मरीज OPD में आते हैं, जबकि पीजीआई में यह संख्या 10,000 से 11,000 के बीच है। उन्होंने कहा कि इतनी बड़ी संख्या में मरीजों के एक साथ अस्पताल आने पर डॉक्टरों के लिए इलाज करना कितना चुनौतीपूर्ण हो जाता है, इसका अंदाजा लगाया जा सकता है।

सीएम ने कहा कि आज के समय में स्मार्टफोन भी कई बीमारियों का कारण बनता जा रहा है। 4 से 6 घंटे तक स्मार्टफोन का उपयोग करना भी एक तरह की बीमारी है। उन्होंने कहा कि हृदय शरीर का सबसे महत्वपूर्ण अंग है। किडनी खराब होने पर व्यक्ति डायलिसिस के सहारे जीवन जी सकता है, लेकिन यदि हृदय में ब्लॉकेज हो जाए तो यह जानलेवा साबित हो सकता है।

मुख्यमंत्री, शुक्रवार को अटल

बिहारी वाजपेयी मेडिकल यूनिवर्सिटी में आयोजित नेशनल इंटरवेंशनल काउंसिल 2026 को संबोधित कर रहे थे। इसका आयोजन कार्डियोलॉजी सोसायटी ऑफ इंडिया द्वारा किया गया था। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पिछले 9 वर्षों में उत्तर प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं का व्यापक विस्तार हुआ है।

शादियों में खाने की क्वालिटी की कोई गारंटी नहीं:सीएम योगी ने कहा- मैंने इस दिवाली से ठीक पहले खाद्य पदार्थ पर मिलावट के खिलाफ छापेमारी करने के निर्देश दिए थे। सुबह 4 से 6 बजे के करीब सुबह छापेमारी हुई तो हजारों किलो मिलावटी खोवा नष्ट किया गया। शादी और ब्याह के फंक्शन में जब जाते होंगे तो क्या गारंटी की कैसा खाना मिल रहा है।

समय से जागने की आदत डालें। देर रात तक स्मार्टफोन का उपयोग बंद कर दें। गरीब को हार्ट की बीमारी कम होती है क्योंकि वह मेहनत खूब करता है। अब ऐसी बीमारी से इलाज की दिशा में भी हम अहम कदम उठा सकते हैं।

अनंत अंबानी का 31वां जन्मदिन-जामनगर के सभी गांवों को भोज

1 लाख गायों को छप्पन भोग कराया

शाहरुख-रणवीर समेत कई सेलेब्रिटी शामिल

जामनगर, एजेंसी। कारोबारी मुकेश अंबानी के छोटे बेटे अनंत अंबानी आज अपना 31वां जन्मदिन मना रहे हैं। इस मौके पर गुजरात के जामनगर में भव्य सेलिब्रेशन हो रहा है, जिसमें शामिल होने के लिए बॉलीवुड समेत उद्योग जगत की कई हस्तियां जामनगर पहुंच चुकी हैं। अनंत ने गुरुवार को जामनगर में गो सेवा की। एक लाख से ज्यादा गायों को छप्पन भोग लगाया। जामनगर में आसपास के सभी गांवों भोज का आयोजन किया गया था। भोज में आई सभी महिलाओं को साड़ियां गिफ्ट में दी गई। इसके अलावा जामनगर के गांवों में बच्चों को स्कूल की किट भी बांटी गई। इसके अलावा अनंत अंबानी ने देश के कई बड़े मंदिरों को करोड़ों का दान दिया है।

महाकुंभ की वायरल गर्ल मोनालिसा निकली नाबालिग, एनसीएसटी की रिपोर्ट में हुआ खुलासा

पति फरमान खान के खिलाफ एफआईआर दर्ज

भोपाल, एजेंसी। मध्य प्रदेश के खरगोन जिले की पारधी जनजाति से जुड़ी युवती मोनालिसा के मामले में नया मोड़ सामने आया है। राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग (एनसीएसटी) की जांच में युवती को नाबालिग बताया गया है। दावा किया गया है कि केरल में संपन्न विवाह के समय उसकी उम्र 18 वर्ष से कम थी। मामले के अनुसार, अधिवक्ता प्रथम दुबे ने 17 मार्च 2026 को आयोग के समक्ष शिकायत प्रस्तुत की थी। इसके बाद आयोग के निर्देश पर गठित जांच दल ने केरल से लेकर महेश्वर तक दस्तावेजों और तथ्यों की

पड़ताल की। एनसीएसटी ने गुरुवार को खुलासा करते हुए जानकारी दी कि आयोग के अध्यक्ष अंतर सिंह आर्य के नेतृत्व में एनसीएसटी के पूर्व न्यायाधीश व सलाहकार प्रकाश उइके के मार्गदर्शन में अधिवक्ता प्रथम दुबे द्वारा की गई कानूनी पैरवी ने यह साबित कर दिया है कि जिस युवती को बालिग बताकर विवाह कराया गया था, वह वास्तव में पारधी जनजाति समुदाय की एक नाबालिग लड़की है।जांच के दौरान महेश्वर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के रिकॉर्ड में युवती की जन्म तिथि 30 दिसंबर 2009 पाई गई। इसके आधार पर 11 मार्च 2026 को हुए विवाह के समय उसकी उम्र करीब 16 वर्ष बताई गई है। जांच में यह भी सामने आया कि केरल में विवाह पंजीयन के लिए उपयोग किए गए जन्म प्रमाण पत्र में अलग जन्म तिथि दर्ज थी। जांच टीम ने इसे संदिग्ध बताते हुए संबंधित दस्तावेजों के आधार पर निरस्त कराने के निर्देश दिए जाने की बात कही है।

यूपी एसआईआर फाइनल लिस्ट में 2.04 करोड़ नाम कटे:बृजेश पाठक की सीट पर 34प्रतिशत नाम कटे

लखनऊ,एजेंसी। यूपी में चुनाव आयोग ने स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) की फाइनल लिस्ट शुक्रवार को जारी कर दी। यूपी में वोटर्स की संख्या 13% घटकर 13.39 करोड़ हो गई है। फाइनल लिस्ट से 2.04 करोड़ नाम कटे हैं।84 लाख नए नामों को जोड़ा गया है। SIR से पहले अक्टूबर 2025 में यूपी में कुल 15.44 करोड़ वोटर्स थे। पहली ड्राफ्ट लिस्ट जारी होने के बाद यह आंकड़ा 12.55 करोड़ हो गया था। इसमें 2.89 करोड़ लोगों के नाम कटे थे। पहले ड्राफ्ट लिस्ट से जो नाम कटे थे, उसमें 84 लाख नामों को लिस्ट में जोड़ा गया है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया- लखनऊ में सबसे ज्यादा 9.14 लाख मतदाता कम हुए हैं। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक की कैंट विधानसभा सीट पर 34.18% वोटर कम हो गए हैं। प्रयागराज 8.26 लाख, कानपुर नगर में 6.87 लाख, आगरा में 6.37 लाख और गाजियाबाद में 5.74 लाख मतदाता कम हुए हैं।

स्मार्ट मीटर का झटका नोएडा के सेक्टर-34, 62, 11 में उपभोक्ता परेशान, आरोप- रिचार्ज फुल फिर भी बत्ती गुल

नोएडा, एजेंसी। बिजली विभाग का स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के लिए जी का जंजाल बनता जा रहा है। स्थिति ऐसी हो गई है कि रीडिंग में मैराथन दौड़ लगाने के बीच प्रीपेड मीटर के अचानक स्मार्ट झटके से उपभोक्ताओं की जेब पर डाका डाला जा रहा है। परेशान और हताश उपभोक्ताओं ने अब विद्युत अधिकारियों से ओवर-स्मार्ट मीटर के झंझट से त्वरित पोस्टपेड राहत देने की गुहार लगाई है, लेकिन अधिकारी बहाने और लापरवाही को अमलीजामा पहनाकर जिम्मेदारी से बचने की कोशिश में लगे हैं। उपभोक्ताओं की लगातार शिकायतों पर सरकार ने स्मार्ट मीटर लगाने की योजना को फिलहाल बंद कर दिया है। मगर जिले में 40 हजार से ज्यादा स्मार्टमीटर के उपभोक्ताओं को अभी तक मरहम लगाने की इंतजार है। सेक्टर-34, सेक्टर-62, सेक्टर-11 और अन्य विभिन्न सेक्टरों के उपभोक्ता खुद को ठगा महसूस कर रहे हैं। उनका आरोप है कि स्मार्ट तरीके से परेशानी झेलकर वह

अब थक चुके हैं। उन्हें अपने भविष्य के लिए जेब सुरक्षित करते हुए घर को रोशन करने के लिए पोस्टपेड मीटर की राहत चाहिए। विद्युत विभाग के स्मार्ट मीटर का खामियाजा सबसे ज्यादा बुजुर्गों को हो रहा है। उन्हें न तो मीटर रिचार्ज करने के लिए ऐप डाउनलोड कर उसे चलाना आता है और अचानक बिजली होने पर सर्वर डाउन की जिल्लत के साथ दोहरी मार झेलनी पड़ती है।

'धमकी' देकर स्मार्ट मीटर से जेब पर डाल रहे डाका : कुछ समय पहले बाहरी लोगों ने एच-ब्लाक में आकर धमकी दी कि मीटर रीडिंग लेने वालों का टेंडर खत्म होने पर रीडिंग से बिल नहीं बनेगा। बाद में 12 हजार रुपये का चार्ज भी वसूला जाएगा। इसी धमकी के चलते सोसायटी के 35-36 लोगों के घर प्रीपेड मीटर लगा दिए थे। पिछले दिनों अचानक बिजली सप्लाई बंद हो गई। विभाग में बात करने पर दो बार में 19 हजार रुपये का रिचार्ज किया जबकि पहले तो आठ हजार रुपये तक बिल आता था। इससे पहले दस दिन तक मानसिक तनाव में रहा था। मैं जल्दी ही बिजली विभाग जाकर पोस्टपेड मीटर के लिए आवेदन दूंगा।

झूठ बोलकर हमारे साथ किया स्मार्ट 'धोखा' : हमारे सेक्टर के एस और टी ब्लॉक में अधिकांश लोगों को झूठ बोलकर उनके घर में स्मार्ट मीटर लगाकर धोखा किया गया है जबकि ये मीटर उन क्षेत्रों में लगने चाहिए, जो बिल जमा नहीं करते हैं। मैं तो नोएडा बसने के समय से नियमित बिल जमा करता हूं। पूरे सेक्टर में बुजुर्ग लोग ज्यादा रहते हैं। विद्युत विभाग स्मार्ट तरीके से बुजुर्ग और लाखों उपभोक्ताओं को अंधेरे में रखकर शोषण कर रहा है। मैं जल्द ही स्मार्ट मीटर को पोस्टपेड में कराने के लिए आवेदन दूंगा।

रिचार्ज फुल, बत्ती गुल से ढीली हुई जेब

पिछले दिनों हमारी कॉलोनी के अधिकांश घरों में बिजली गुल हो गई थी। मुझे खुद रिचार्ज होने के बावजूद पांच हजार रुपये अतिरिक्त खर्च करने पड़े। जब बिजली गुल होती है तो सर्वर डाउन भी रहता है। इसमें बुजुर्गों को सबसे ज्यादा दिक्कत होती है। शिकायत करने पर अधिकांश समाधान नहीं उपभोक्ताओं को केवल चक्कर कटाकर परेशान करते हैं। सबसे बड़ी है कि हमनें प्रीपेड मीटर की मांग नहीं की थी, लेकिन कर्मचारियों ने धोखे में रखकर प्रीपेड मीटर लगा दिया। मैं चाहता हूं कि मीटर को पोस्टपेड किया जाए। स्मार्ट मीटर वाले उपभोक्ताओं की समस्या का कैंप लगाकर समाधान किया जा रहा है।

मुझे मेरी बीवी से बचाओ, चिल्लाता हुआ युवक ठाकुरद्वारा फ्लाईओवर से कूदा, राहगीरों ने बहुत मनाया फिर भी न माना

गाजियाबाद,एजेंसी। दिन बृहस्पतिवार। समय रात के नौ बजे। सड़कों पर ट्रैफिक थोड़ा हल्का हो गया। इसी बीच थाना कोतवाली क्षेत्र स्थित ठाकुरद्वारा फ्लाईओवर ब्रिज पर एक युवक पैदल पहुंचा। उसने देखा कि सामने ही जिला एमएमजी अस्पताल भी है। यह युवक जोर जोर से चिल्लाने लगा। वह कहने लगा, 'मुझे मेरी बीवी से बचाओ।' युवक को देखकर पुल के ऊपर और नीचे लोगों की भीड़ जुटने लगी। लोगों ने नीचे उतरने की सलाह दी लेकिन युवक नहीं माना और मरने की बात कहकर फ्लाईओवर से कूद गया। घायल युवक को अस्पताल की इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया गया। जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। चिकित्सकों के अनुसार युवक के हाथ, पैर, सिर और कमर में गंभीर चोटे आई है। पुलिस को सूचना भेजने के बाद अस्पताल प्रबंधन ने युवक की पहचान की। 31 वर्षीय युवक अनिल कुमार झंडापुर साहिबाबाद का रहने वाला है। जानकारी के बाद स्वजन भी अस्पताल पहुंचे।

फरीदाबाद नगर निगम मुख्यालय के चारों ओर बनेगी 1.76 करोड़ की नई सड़क, मिलेगी राहत

फरीदाबाद,एजेंसी। नगर निगम मुख्यालय के चारों तरफ टूटी सड़क को जल्द ही बनाने का काम शुरू किया जाएगा। निगम ने सड़क बनाने को लेकर 1.76 करोड़ रुपये का टेंडर लगाया है। निगम का दावा है कि इस माह के अंत में काम भी शुरू कर दिया जाएगा। निगम मुख्यालय के चारों तरफ पिछले कई सालों से सड़क टूटी हुई है। इस सड़क से तीन नंबर की तरफ से आने वाले लोग दशहरा ग्राउंड होते बादशाह खान नागरिक अस्पताल व नगर निगम मुख्यालय जाते हैं। इसके साथ ही सैनिक कालोनी, डबुआ कालोनी और अन्य जगहों पर जाने वाले लोग भी इसी सड़क का प्रयोग करते हैं। सड़क पर कई जगह गड्ढे बने हुए हैं। जर्जर रोड के कारण काफी जाम भी लग जाता है। कई बार तो मरीज को ले जा रही एंबुलेंस भी फंस जाती है। लोगों की ओर से पिछले काफी समय से सड़क को बनाने की मांग की जा रही थी। निगम टूटी सड़क पर बार बार पेच वर्क करवाकर काम चला रहा था। वर्षा के समय पेच वर्क पूरी तरह खराब हो जाता है। मेयर प्रवीण बतरा जोशी की ओर ने सड़क के निर्माण को लेकर निगम आयुक्त को निर्देश दिए थे। जिसके बाद टेंडर लगाया गया है। हालांकि इससे पहले भी निगम की ओर से सड़क निर्माण को लेकर टेंडर लगाया गया था। लेकिन किसी भी एजेंसी ने निर्माण में रूचि नहीं दिखाई। इस सड़क से प्रतिदिन पांच हजार से अधिक लोग गुजरते हैं। कई वाहन चालक संतुलन बिगड़ने के कारण गिर भी चुके हैं। शीघ्र ही सड़क निगम मुख्यालय के दोनों तरफ बनाई जाएगी।

अवैध कोचिंग और स्कूलों पर होगी कार्रवाई

वाराणसी, एजेंसी। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद के सचिव भगवती सिंह ने डीआइओएस, बीएसए और बीईओ को पत्र लिखकर अमान्य विद्यालयों के खिलाफ 18 अप्रैल तक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। साथ ही कहा है कि जांच के दौरान निजी कोचिंग में संलग्न शिक्षकों की भी जांच कर कार्रवाई करें। रिपोर्ट भी देने को कहा है। जिला विद्यालय निरीक्षक भोलेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि परिषद की विनियमावली और शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत बिना मान्यता प्राप्त विद्यालय की स्थापना और संचालन प्रतिबंधित है। जिले में ऐसे संस्थानों को चिह्नित करने के लिए बेसिक शिक्षा विभाग का सहयोग लिया गया है। बीएसए से बीईओ को अवैध संस्थानों को चिह्नित कर रिपोर्ट देने को कहा गया है। जल्द ही इसकी सूची बोर्ड को उपलब्ध कराई जाएगी। पिछले साल 25 संस्थानों पर कार्रवाई हुई थी।

पागल कुत्ते ने उमरहा, खानपुर में पांच लोगों को काटा, एक गंभीर

वाराणसी, एजेंसी। विकासखंड के ग्राम पंचायत उमरहा और खानपुर में बृहस्पतिवार सुबह एक पागल कुत्ते ने पांच लोगों को काट लिया। एक की हालत गंभीर है। क्षेत्र में लोगों में डर बना हुआ है। उमरहा निवासी नंदलाल राजभर के कमरे में एक पागल कुत्ता घुसकर बैठ गया। जब नंदलाल कमरे में पहुंचे और कुत्ते को बाहर भगाने का प्रयास किया तभी उसने उन पर झपट्टा मारकर चेहरे को बुरी तरह नोच लिया। वह चिल्लाने लगे। लोग मौके पर पहुंचे तभी कुत्ते ने वहां से निकलकर गांव की निधि पाण्डेय (19) को भी काट लिया। इसके बाद खानपुर गांव में भी उसने सूर्यांश, धीरेंद्र और हितेश को काट लिया। ग्रामीणों ने कुत्ते को पकड़ने के लिए खोजबीन शुरू की, जिसके बाद वह गांव की बस्ती से कुछ दूरी पर मरा मिला। घायलों को तत्काल प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर उपचार के लिए पहुंचाया गया। पीएचसी प्रभारी डॉ. मनोज कुमार वर्मा ने बताया कि सभी घायलों का उपचार कर दिया गया है। गंभीर रूप से घायल नंदलाल राजभर को बेहतर इलाज के लिए मंडलीय अस्पताल कबीरचौरा रेफर कर दिया गया है।

पांच साल से फरार 25 हजार का इनामी गिरफ्तार, 101 मोबाइल की चोरी में था वांछित

वाराणसी, एजेंसी। कैंट थाना पुलिस ने पांच साल से फरार 25 हजार के इनामिया श्रवण महतो उर्फ मोकामा को सुबह 7.30 बजे अंबेडकर चौराहे के पास से गिरफ्तार किया। आरोपी पर संगठित गिरोह के साथ मिलकर 101 मोबाइल फोन चोरी करने का आरोप है। श्रवण महतो उर्फ मोकामा निवासी बाबूपुर थाना तीन पहाड़ जिला साहेबगंज झारखंड का है। 2021 में कैंट थाने में दर्ज मोबाइल चोरी के मामले में उसका नाम सामने आया था। तब से भागा हुआ था। पुलिस उसकी तलाश में जुटी थी। थाना प्रभारी शिवाकांत मिश्रा ने बताया कि आरोपी चोरी किए गए मोबाइल फोन बाजार में बेचने का काम करता था। मामले में न्यायालय ने वारंट जारी किया था। उसकी गिरफ्तारी पर 25 हजार रुपये का इनाम रखा गया था।

गुरुग्रामः साइबर सिटी में किफायती घर खरीदना हुआ आसान, सरकार ने तय की नई दरें और नियम

नया गुरुग्राम,एजेंसी। हरियाणा सरकार ने किफायती आवास को नियंत्रित करने वाले नियमों में महत्वपूर्ण संशोधन करते हुए नई दरें और पार्किंग मानक तय किए हैं। दरअसल, हरियाणा कैबिनेट की बैठक के बाद हाल ही में दरों में संशोधन की घोषणा की गई थी। इसके परिणामस्वरूप, गुरुग्राम के निवासियों को एक बार फिर अपना घर खरीदने का सपना सच होता दिख रहा है। नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग द्वारा जारी एक अधिसूचना के अनुसार, इन संशोधनों को किफायती आवास नीति-2013 में शामिल किया गया है, जिसका असर घर खरीदने वालों और डेवलपर्स, दोनों पर पड़ेगा।

नई अधिसूचना के तहत, अब हर फ्लैट के लिए एक समर्पित पार्किंग की जगह देना अनिवार्य है। इस सुविधा के लिए फ्लैट की कीमत का लगभग 10 प्रतिशत शुल्क लिया जाएगा। इसके अलावा, किसी भी अतिरिक्त पार्किंग की जगह का उपयोग आगंतुकों की पार्किंग या दोपहिया वाहनों की पार्किंग के लिए किया जा सकता है। भवन योजनाओं को मंजूरी देते समय सभी पार्किंग स्लॉट को स्पष्ट रूप से चिह्नित करना भी अनिवार्य कर दिया गया है।

जिन परियोजनाओं के लिए लाइसेंस और भवन योजनाएं पहले ही स्वीकृत हो चुकी हैं लेकिन जिनमें वर्तमान में पार्किंग का कोई प्रावधान नहीं है, वहां किसी भी बदलाव को लागू करने के लिए डेवलपर्स को कम से कम दो-तिहाई आवंटियों की सहमति लेनी होगी। हालांकि, यह लाभ उन परियोजनाओं पर लागू नहीं होगा जिन्हें पहले ही अपना ऑक्यूपेशन सर्टिफिकेट मिल चुका है।

बालकनियों के लिए अतिरिक्त शुल्क : यदि किसी फ्लैट में पांच फीट तक के विस्तार वाली बालकनी है, तो उसके लिए 1,300 प्रति वर्ग फुट का अतिरिक्त शुल्क लिया जाएगा। हालांकि, यह कुल अतिरिक्त शुल्क प्रति फ्लैट 1.30 लाख से अधिक नहीं होगा।

आवेदकों के लिए विशेष प्रावधान : जिन आवास योजनाओं में आवेदन पहले ही आमंत्रित किए जा चुके हैं, वहां देय कोई भी अतिरिक्त राशि नई दरों के अनुसार ही ली जाएगी।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का बोर्ड करेगा निरीक्षण, अप्रैल से टिकट बिक्री शुरू होने की संभावना

3ग्रेटर नोएडा,एजेंसी। यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्रा. लि. बोर्ड के सदस्य बीस अप्रैल को नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का निरीक्षण करेंगे। एयरपोर्ट से विमान सेवा शुरू होने के संदर्भ में बोर्ड सदस्यों का यह निरीक्षण कार्यक्रम अहम है। एयरपोर्ट से विमान सेवा के लिए अगले माह से टिकट की बिक्री शुरू होने की संभावना है। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के निर्माण एवं संचालन के लिए ज्यूरिख एयरपोर्ट इंटरनेशनल एजी ने स्पेशल परपज व्हीकल कंपनी का गठन किया था। ज्यूरिख एयरपोर्ट इंटरनेशनल एजी के सदस्यों के अलावा यमुना प्राधिकरण के सीईओ व निदेशक नागरिक उड्डयन विभाग इस कंपनी

के बोर्ड में निदेशक के तौर पर शामिल हैं। बोर्ड सदस्यों का संयुक्त रूप से नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का यह पहला निरीक्षण होगा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का 28 मार्च को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लोकार्पण कर चुके हैं, लेकिन अभी विमान सेवा शुरू होने का इंतजार हो रहा है। इससे पहले एयरपोर्ट को नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो से एयरपोर्ट सिक्योरिटी प्रोग्राम को स्वीकृति मिलने का इंतजार है। यापल के सीईओ के विदेशी होने के कारण यह मामला लंबित चल रहा है। बोर्ड सदस्य इस मामले को लेकर भी कोई निर्णय ले सकते हैं। जो एयरपोर्ट से विमान सेवा शुरू करने के लिए अहम साबित हो सकता है। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से शुरुआत में घरेलू विमान सेवा शुरू करने की तैयारी है। देश के सभी प्रमुख शहरों के लिए यहां से विमान सेवा उपलब्ध होगी। साल के अंत तक एयरपोर्ट से अंतरराष्ट्रीय विमान सेवा भी शुरू हो जाएगी। इसके लिए एयरपोर्ट संचालक कंपनी के अलावा एयरलाइंस भी अपनी तैयारी में जुटी हुई हैं। अंतरराष्ट्रीय टर्मिनल के बचे हुए शेष कार्य को तेजी से पूरा किया जा रहा है।

जिला नागरिक अस्पताल में ओपीडी समय में बदलाव, 16 अप्रैल से बदल जाएगा टाइमिंग

गुरुग्राम एजेंसी। सेक्टर-10 स्थित जिला नागरिक अस्पताल की ओपीडी सेवाओं के समय में जल्द ही बदलाव होगा। स्वास्थ्य विभाग के निर्देशों के अनुसार अब 16 अप्रैल से अस्पताल की ओपीडी सुबह आठ बजे से दोपहर दो बजे तक संचालित होगी। पहले की तुलना में ओपीडी एक घंटा पहले शुरू की जा रही है, ताकि आगामी दिनों में गर्मी से पहले अधिकतम मरीजों को सुविधा मिल सके। नई व्यवस्था के तहत पर्ची काउंटर भी सुबह आठ बजे से दोपहर दो बजे तक ही कार्य करेंगे। अस्पताल प्रशासन का मानना है कि मौसम के अनुरूप समय परिवर्तन से मरीजों की आवाजाही अधिक व्यवस्थित होगी।

पाकिस्तान का सरेंडरः नेतन्याहू की धमकी से डरे रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ, डिलीट किए इस्राइल के खिलाफ पोस्ट

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ एक बार फिर अपने बयान को लेकर विवादों में आ गए हैं। इस्राइल पर तीखी टिप्पणी करने के बाद उन्होंने अपना सोशल मीडिया पोस्ट हटा लिया है, जिससे राजनीतिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है।जानकारी के अनुसार, ख्वाजा आसिफ ने पहले इस्राइल की आलोचना करते हुए उसे मानवता के लिए अभिशाप बताया था और कथित तौर पर 'नरक में जलना' जैसी कड़ी भाषा का इस्तेमाल किया था। इस बयान के बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिक्रिया तेज हो गई और विवाद बढ़ने लगा। मामले के तूल पकड़ने के बाद उन्होंने एक्स से अपना पोस्ट डिलीट कर दिया। हालांकि, इस पर पाकिस्तान सरकार या उनके कार्यालय की ओर से कोई आधिकारिक स्पष्टीकरण सामने नहीं आया है।

रक्षा मंत्री पर भड़के नेतन्याहू : इस्राइल के प्रधानमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में कहा था कि पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ द्वारा इस्राइल के विनाश की बात करना बेहद आपत्तिजनक और अस्वीकार्य है। उन्होंने कहा कि यह ऐसा बयान है जिसे किसी भी सरकार की ओर से बर्दाश्त नहीं किया जा सकता, खासकर तब जब वह खुद को शांति का पक्षधर बताती है।

आसिफ ने क्या कहा था : दरअसल, बीते दिनों पाकिस्तान के बड़बोले ख्वाजा आसिफ ने सोशल मीडिया पर इस्राइल को बुरा और मानवता के लिए अभिशाप बताया था। आसिफ ने लेबनान में हो रही हिंसा को नरसंहार करार दिया और कहा कि निर्दोष लोगों की जान जा रही है। ऐसे में अब इस्राइल ने इस बयान पर अपनी कड़ी नाराजगी जताई है। इस्राइल ने इसे बेहद गंभीरता से लेते हुए इसे अस्वीकार्य करार दिया है। ऐसे में अब यह मामला अंतरराष्ट्रीय मंच पर चर्चा का विषय बन गया है, जहां एक तरफ इसे कूटनीतिक तनाव बताया जा रहा है।

परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में भारत की उपलब्धिः वैश्विक संस्थाओं ने कलपक्कम रिएक्टर को सराहा, जानें किसने क्या कहा

वॉशिंगटन, एजेंसी। भारत ने परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक सफलता हासिल की है। तमिलनाडु के कलपक्कम में स्थित 'प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर' ने सफलतापूर्वक काम करना शुरू कर दिया है। यह भारत के तीन चरणों वाले परमाणु कार्यक्रम के दूसरे चरण की महत्वपूर्ण शुरुआत है। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के प्रमुख राफेल ग्रॉसी ने भारत के इस उपलब्धि की जमकर सराहना की है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बधाई देते हुए कहा कि यह कदम ईंधन की स्थिरता और परमाणु ऊर्जा के भविष्य के लिए बहुत जरूरी है। पेरिस स्थित अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी ने भी इसे एक बड़ी तकनीकी उपलब्धि बताया है। शोसल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा 'कई वर्षों के विकास के बाद हासिल की गई इस महत्वपूर्ण तकनीकी उपलब्धि के लिए भारत,

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वैज्ञानिकों व इंजीनियरों को बधाई।'

भारत बना दुनिया का दूसरा देश : भारत अब दुनिया का दूसरा ऐसा देश बन गया है जिसके पास यह खास तकनीक है। रूस के अलावा अभी तक कोई भी देश इसे सफलतापूर्वक नहीं चला पाया है। अमेरिका और जापान जैसे देशों ने भी दशकों पहले इस जटिल तकनीक में महारत हासिल करने की कोशिशें छोड़ दी थीं। यह रिएक्टर 6 अप्रैल को रात 8:25 बजे चालू हुआ। इसमें ईंधन के रूप में प्लूटोनियम आधारित मिक्स्ड ऑक्साइड का इस्तेमाल होता है। रिएक्टर को ठंडा रखने के लिए तरल सोडियम का प्रयोग किया जाता है। यह अन्य रिएक्टरों के मुकाबले बहुत कम ईंधन खर्च करता है। खास बात यह है कि यह पुराने रिएक्टरों से निकले कचरे का इस्तेमाल ईंधन के रूप में करेगा। इससे परमाणु कचरा कम करने में भी मदद मिलेगी।

भविष्य की ऊर्जा जरूरतों के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि : यह सफलता भारत के परमाणु कार्यक्रम के जनक होमी जहांगीर भाभा के सपने को पूरा करने की दिशा में बड़ा कदम है। इससे भविष्य में थोरियम आधारित रिएक्टरों को चलाने का रास्ता साफ होगा। भारत सरकार ने परमाणु ऊर्जा से 100 गीगावाट बिजली पैदा करने का लक्ष्य रखा है। अभी भारत की क्षमता 8.7 गीगावाट है। उम्मीद है कि साल 2031-32 तक यह बढ़कर 22.48 गीगावाट हो जाएगी। इस रिएक्टर को 'भारतीय नाभिकीय विद्युत निगम' ने विकसित किया है।

ताइवान की विपक्षी नेता से मिले शी जिनपिंग, ट्रंप के चीन दौरे से पहले बढ़ी कूटनीतिक हलचल

बीजिंग, एजेंसी। चीन और ताइवान संबंधों के बीच एक अहम कूटनीतिक घटनाक्रम सामने आया है। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने शुक्रवार को बीजिंग में ताइवान की विपक्षी नेता चेंग ली-वुन से मुलाकात की। यह बैठक ऐसे समय हुई है जब अगले महीने डोनाल्ड ट्रंप की चीन यात्रा प्रस्तावित है।चेंग ली-वुन, ताइवान की प्रमुख विपक्षी पार्टी कुओमिनतांग की पहली अध्यक्ष हैं, जिन्होंने एक दशक में पहली बार पार्टी प्रतिनिधिमंडल के साथ चीन का दौरा किया है। उनका यह दौरा एक सप्ताह का है और इसे दोनों पक्षों के बीच संवाद बहाल करने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है।

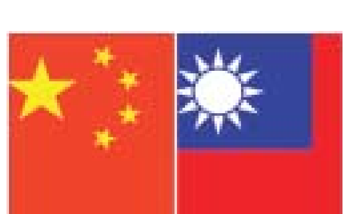

क्या है मामला : चीन ताइवान को अपना अभिन्न हिस्सा मानता है और वन चाइना नीति के तहत उसके पुनर्एकीकरण पर जोर देता रहा है। वहीं ताइवान की सत्तारूढ़ डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी चीन के इस रुख का कड़ा विरोध करती है और ताइवान की अलग पहचान बनाए रखने की पक्षधर है। इसके विपरीत चरब्ज चीन के साथ करीबी संबंधों की वकालत करती रही है, जिससे यह मुलाकात और भी अहम हो जाती है। बीजिंग रवाना होने से पहले चेंग ने अपने दौरे को शांति की यात्रा बताया और कहा कि ताइवान जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे संवेदनशील क्षेत्रों में से एक है, जहां स्थिरता बनाए रखना बेहद जरूरी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि दोनों पक्षों को संवाद और सहयोग के जरिए मतभेद सुलझाने चाहिए।

अमेरिका ताइवान को 11 अरब डॉलर के रक्षा पैकेज देगा : यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब अमेरिका ताइवान को करीब 11 अरब डॉलर का बड़ा रक्षा पैकेज देने की योजना बना रहा है।

इस पैकेज में रॉकेट सिस्टम, एंटी-टैंक मिसाइल, ड्रोन, होवित्जर और अन्य सैन्य उपकरण शामिल हैं। चीन ने इस प्रस्ताव का कड़ा विरोध करते हुए इसे क्षेत्रीय स्थिरता के लिए खतरा बताया है। वहीं ताइवान की संसद में इस रक्षा बजट को लेकर गतिरोध बना हुआ है,

जेफरी एपस्टीन विवाद पर मेलानिया ट्रंप का सख्त जवाब, आरोपों पर बोलीं- मेरी छवि बिगाड़ने की साजिश

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप ने गुरुवार को जेफरी एपस्टीन से अपने किसी भी तरह के संबंध से साफ इनकार किया। उन्होंने कहा कि उनके खिलाफ लगाए जा रहे सभी आरोप पूरी तरह झूठे और बेबुनियाद हैं। व्हाइट हाउस में बयान देते हुए मेलानिया ट्रंप ने कहा कि उनके बारे में फैल रही ये बातें उनकी छवि खराब करने की कोशिश हैं। उन्होंने आरोप लगाने वालों पर निशाना साधते हुए कहा कि ऐसे लोगों में नैतिकता और सम्मान की कमी है। उन्होंने कहा कि मेरे और एपस्टीन को जोड़ने वाले झूठ अब बंद होने चाहिए। ये सिर्फ मेरी छवि खराब करने की कोशिश है।

खनिज एवं पुलिस की संयुक्त टीम ने चलाया सघन जांच अभियान

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में अवैध खनिज उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के खिलाफ प्रशासन ने सख्त कार्रवाई करते हुए कई वाहनों को जब्त किया है यह कार्रवाई कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी तथा पुलिस अधीक्षक के निर्देशन और जिला खनिज अधिकारी कपिलमुनि शुक्ला के मार्गदर्शन में की गई। खनिज एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम द्वारा गोपदबनास, मझौली, मड़वास एवं चुरहट तहसील क्षेत्रों में 9 एवं 10 अप्रैल 2026 को दिन एवं रात्रि में सघन जांच अभियान चलाया गया इस दौरान अवैध खनन गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखी गई और कई मामलों का खुलासा हुआ। ग्राम कुरवाह, तहसील गोपदबनास में जांच के दौरान हाइवा , मुरूम के अवैध उत्खनन एवं परिवहन में संलिप्त पाया गया। वैध दस्तावेज प्रस्तुत न किए जाने पर वाहन को जब्त कर थाना कोतवाली की अभिरक्षा में रखा गया। इसी तरह ग्राम निधिपुरी, तहसील मड़वास स्थित गोपद नदी घाट से रेत का अवैध परिवहन करते हुए बिना नंबर के स्वराज ट्रैक्टर को जब्त कर थाना मड़वास में सुपुर्द किया गया। खनिज कोयले के अनाधिकृत परिवहन में संलिप्त दो वाहन को भी जब्त कर थाना मझौली में सुरक्षार्थ खड़ा कराया गया। वहीं ग्राम चिलरी, तहसील चुरहट में अवैध रेत परिवहन करते पाए गए ट्रैक्टर एवं हाइवा को जब्त कर थाना कमर्जी में अभिरक्षा में रखा गया है। इन सभी मामलों में संबंधित वाहन चालकों एवं स्वामियों के विरुद्ध मध्यप्रदेश खनिज (अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण का निवारण) नियम 2022 के तहत प्रकरण दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी। साथ ही बिना नंबर वाहनों के मामलों में मोटर व्हीकल एक्ट के तहत पृथक से कार्रवाई के लिए जिला परिवहन अधिकारी को पत्र प्रेषित किया जाएगा। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध खनन गतिविधियों पर सतत निगरानी जारी रहेगी और भविष्य में भी ऐसे मामलों में कठोर दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी, ताकि अवैध खनन पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित हो सके।

हथौड़ा मारकर युवक की हत्या :अपमान का बदला लेने के लिए किया हमला

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जमोड़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत पड़रा गांव में हुए अंधे कत्ल का पुलिस ने पर्दाफाश कर दिया है मामूली पैसों के विवाद और सार्वजनिक अपमान का बदला लेने युवक की हथौड़े से वार कर हत्या कर दी गई थी पुलिस ने मामले में जबलपुर से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। घटना शुक्रवार दोपहर की है। 6 अप्रैल 2026 को पड़रा निवासी रामकृपाल गुप्ता ने पुलिस को सूचना दी कि उनकी निर्माणाधीन बिल्डिंग में सुपरवाइजर राजू पटेल (45 वर्ष, निवासी जबलपुर) अपने बिस्तर पर मृत पाए गए हैं। सूचना पर पुलिस टीम ने पहुंचकर जांच की मृतक के सिर पर चोट के निशान मिले पोस्टमार्टम की प्रारंभिक रिपोर्ट में भी हत्या की पुष्टि हुई। जांच के दौरान पुलिस ने एफएसएल टीम की मदद से घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले पुलिस को पता चला कि राजू पटेल 3 अप्रैल को अपने साथियों संजू यादव और गुड्डा अहिरवार के साथ जबलपुर से सीधी आया था। जांच में खुलासा हुआ कि 4 अप्रैल की शाम राजू पटेल और संजू यादव के बीच पैसों के लेनदेन को लेकर विवाद हुआ था।

सीएम हेल्पलाइन में खराब ग्रेडिंग पर सख्त रुख, विभाग प्रमुखों को नोटिस जारी

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीएम हेल्पलाइन में जिले की खराब प्रदर्शन स्थिति को लेकर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है विकास मिश्रा ने संबंधित विभागों की 'डी' ग्रेडिंग और जिले की 22वीं रैंक प्राप्त होने पर गहरा असंतोष व्यक्त किया है। इस संबंध में कलेक्टर द्वारा विभिन्न विभागों के प्रमुख अधिकारियों को कारण बताओ सूचना पत्र जारी करने के निर्देश दिए गए हैं। जिन विभागों को नोटिस जारी किया गया है उनमें लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग, लोक निर्माण विभाग, जनजातीय कार्य विभाग, जल संसाधन विभाग, लोक शिक्षण विभाग, वित्त विभाग तथा आयुष विभाग शामिल हैं कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों का समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी दी है कि शिकायतों के निपटारे में लापरवाही या विलंब को गंभीरता से लिया जाएगा। प्रशासन का उद्देश्य है कि आम नागरिकों की समस्याओं का त्वरित और प्रभावी समाधान हो सके तथा शासन की योजनाओं का लाभ लोगों तक समय पर पहुंचे। इस कार्रवाई से स्पष्ट है कि जिला प्रशासन शिकायत निवारण प्रणाली को बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है और इसमें किसी भी प्रकार की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

डिएमो पर प्राचार्यों से मिलकर मेंटेनेंस राशि हड़पने का आरोप :जिला पंचायत सदस्य ने लगाए गंभीर आरोप

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिला पंचायत की सामान्य सभा और सामान्य प्रशासन समिति की बैठक गुरुवार को उस समय गर्मा गई, जब जिला पंचायत सदस्य कृष्ण लाल पयासी ने शिक्षा विभाग में भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए बैठक में जमकर बहस और नाराजगी देखने को मिली कृष्ण लाल पयासी ने आरोप लगाया कि जिला शिक्षा अधिकारी ने कुछ प्राचार्यों के साथ मिलकर स्कूलों की मेंटेनेंस राशि में गड़बड़ी की है। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों के नाम पर आने वाली राशि का गलत इस्तेमाल किया गया बैठक के दौरान हुई बहस का एक वीडियो भी बनाया गया । पयासी ने कहा कि कई स्कूलों में मेंटेनेंस के नाम पर करोड़ों रुपए खर्च दिखाए गए हैं जबकि जमीनी स्तर पर हालात खराब हैं कई स्कूलों में शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाएं भी नहीं हैं। बैठक में मौजूद अन्य सदस्यों ने भी इस मुद्दे का समर्थन किया और जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा दी गई जानकारी को अस्पष्ट बताया सदस्यों ने मांग की कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। बैठक में जमुना नंबर 1 और सिकरा स्कूल भवनों की पुनः स्वीकृति, शिक्षकों की पेंशन, अवकाश, संविलियन और अनुकंपा नियुक्ति जैसे कई मुद्दों पर भी चर्चा हुई जिला पंचायत उपाध्यक्ष ने शिक्षा विभाग को व्यवस्था सुधारने के निर्देश दिए वहीं सीईओ शैलेंद्र सिंह सोलंकी ने मामले की जांच कर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया और बैठक में शांति बनाए रखने की अपील की।

26 अप्रैल को जिला जेल में विशेष लोक अदालत का होगा आयोजन

नेशनल लोक अदालत 9 मई की तैयारी तेज, न्यायाधीशों की बैठक में बनी रणनीति

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। नेशनल लोक अदालत के सफल आयोजन को लेकर जिला न्यायालय सीधी में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई यह बैठक राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार 9 मई 2026 को आयोजित होने वाली लोक अदालत की तैयारियों के मद्देनजर आयोजित की गई बैठक की अध्यक्षता प्रयागलाल दिनकर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी ने की बैठक में अधिक से अधिक प्रकरणों के निराकरण के लिए रणनीति, लंबित मामलों की पहचान पक्षकारों की सहमति और

प्रभावी कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई न्यायाधीश ने निर्देश दिए कि सभी न्यायालय अपने स्तर पर लंबित प्रकरणों की समीक्षा कर उन्हें लोक अदालत के लिए तैयार करें विशेष रूप से बैंक वसूली, विद्युत प्रकरण, मोटर दुर्घटना दावा, वैवाहिक एवं पारिवारिक विवाद तथा अन्य सिविल एवं आपराधिक मामलों को चिन्हित कर आपसी सहमति से उनका त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया जाए ताकि आमजन को सुलभ और शीघ्र न्याय मिल सके।

विशेष जेल लोक अदालत 26 अप्रैल को: बैठक में यह भी जानकारी दी गई कि 26 अप्रैल 2026 को जिला जेल सीधी में विशेष जेल लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इस लोक अदालत में विचाराधीन बंदियों के छोटे अपराध, समझौता योग्य मामले और प्ली बार्गेनिंग से जुड़े प्रकरणों का आपसी सहमति से निराकरण किया जाएगा। बैठक में जिले के विभिन्न न्यायाधीशों एवं न्यायिक अधिकारियों ने भाग लिया जबकि तहसील न्यायालय चुरहट, मझौली और रामपुर नैकिन के न्यायाधीश वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े। प्रशासन द्वारा लोक अदालत को सफल बनाने के लिए व्यापक तैयारी की जा रही है जिससे अधिक से अधिक मामलों का निपटारा कर न्याय प्रक्रिया को सरल और प्रभावी बनाया जा सके।

हिरन नदी उद्गम स्थल रामगढ़-2 में श्रमदान, जल संरक्षण पर जोर

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जल संरक्षण एवं संवर्धन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत विकासखंड सीधी अंतर्गत ग्राम पंचायत रामगढ़ नम्बर-2 स्थित हिरन नदी उद्गम स्थल पर स्वैच्छिक श्रमदान एवं जन चौपाल का आयोजन किया गया इस अवसर पर बड़ी संख्या में ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने सहभागिता की कार्यक्रम में शासी निकाय सदस्य, संभाग रीवा कृष्णकांत द्विवेदी, मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक मुकेश कुमार गौर, विकासखंड समन्वयक अनिल पाठक सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे जन चौपाल को संबोधित करते हुए कृष्णकांत द्विवेदी ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा जल संरक्षण एवं संवर्धन के लिए व्यापक स्तर पर अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जल स्त्रोतों की नियमित सफाई एवं गहरीकरण से जल संचय में वृद्धि होती है जिसका सीधा लाभ कृषि उत्पादन पर भी दिखाई देता है। ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति रामगढ़ नम्बर-2 के अध्यक्ष अमित कुमार गौतम 'स्वतंत्र' ने बताया कि ग्राम पंचायत क्षेत्र में लगातार जल स्त्रोतों की सफाई, गहरीकरण एवं जन जागरूकता गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि हिरन नदी इस क्षेत्र की जीवनरेखा है और वर्तमान में यहां जल स्तर संतोषजनक स्थिति में बना हुआ है। उपसरपंच राजेन्द्र जायसवाल ने कहा कि जल संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं उन्होंने ग्रामीणों से नियमित श्रमदान करने की अपील की ताकि भविष्य में संभावित जल संकट से बचा जा सके कार्यक्रम के दौरान सीएमसीएलडीपी परामर्शदाता अजीत वर्मा, पूजा पाण्डेय, प्रस्फुटन समिति सचिव प्रवीण शुक्ल, पंचायत सचिव दिनेश जायसवाल, रोजगार सहायक ज्योति शर्मा, नवांकुर संस्था की पदाधिकारी ज्योति पटेल सहित विभिन्न ग्राम विकास समितियों के सदस्य एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे इस अवसर पर सभी प्रतिभागियों ने जल संरक्षण को जीवन का हिस्सा बनाने और प्राकृतिक जल स्त्रोतों को संरक्षित रखने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में श्रमदान के माध्यम से नदी उद्गम स्थल की सफाई की गई जिससे जल प्रवाह और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिला। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत आयोजित यह कार्यक्रम ग्रामीण क्षेत्रों में जल संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

रीवा में संत आषाराम बापू का अवतरण दिवस श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। आषाराम बापू के अवतरण दिवस के अवसर पर रीवा शहर में धार्मिक और आध्यात्मिक माहौल देखने को मिला यह आयोजन योग वेदान्त सेवा समिति के तत्वावधान में 8 अप्रैल 2026 को सत्संग भवन, सिंधी धर्मशाला, शास्त्री नगर अमहिया में आयोजित किया गया जहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह 11 बजे हुआ, जिसमें श्रद्धालुओं ने भक्ति-भाव से भाग लिया। इस दौरान वीडियो सत्संग के माध्यम से संत आषाराम बापू ने आध्यात्मिक विचार साझा करते हुए कहा कि यदि जीवन में ब्रह्मविचार नहीं है, तो मनुष्य के भीतर ईर्ष्या, द्वेष और लालच जैसे विकार उत्पन्न होते हैं। उन्होंने बताया कि जब तक ये नकारात्मक भाव बने रहते हैं तब तक व्यक्ति आत्मिक शांति

से दूर रहता है सत्संग में उन्होंने यह भी कहा कि मनुष्य का वास्तविक स्वरूप अत्यंत महान है जिसका पूर्ण वर्णन करना कठिन है। वेदों में भी इसे 'नेति-नेति' कहकर व्यक्त किया गया है उन्होंने आत्मबल और आत्मसुख को सर्वोपरि बताते हुए कहा कि यह सभी भौतिक और स्वर्गीय सुखों से अधिक शक्तिशाली है। इस अवसर पर हेमू कालाणी चौक में श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद का वितरण किया गया। साथ ही 'ऋषि प्रसाद' पुस्तक का निःशुल्क वितरण भी किया गया जिससे लोगों को आध्यात्मिक ज्ञान प्राप्त हो सके। कार्यक्रम में समिति के अध्यक्ष कैलाश आहूजा सहित कई साधक और भक्तगण उपस्थित रहे। प्रमुख रूप से बंशीधर वाधवानी, भजनलाल सचदेव, अभिमन्यु गुप्ता, काशी खिलवानी, महेश साहू, संदीप गुप्ता, रजनीष फौजी, चरण सिंह, गणेश प्रसाद दुबे, सुधा वर्मा, भावना कुलचंदानी सहित अनेक श्रद्धालुओं ने कार्यक्रम में भाग लेकर इसे सफल बनाया। इस आयोजन ने न केवल आध्यात्मिक जागरूकता को बढ़ावा दिया बल्कि लोगों को आत्मचिंतन और सकारात्मक जीवन की दिशा में प्रेरित भी किया।

चेक बाउंस मामले में आरोपी बरी, न्यायालय ने साक्ष्यों के आधार पर सुनाया फैसला

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा के न्यायिक दंडाधिकारी न्यायालय ने चेक बाउंस के एक प्रकरण में अहम फैसला सुनाते हुए आरोपी को दोषमुक्त घोषित कर दिया यह निर्णय न्यायिक दंडाधिकारी आरती सिंह द्वारा प्रकरण क्रमांक 207/2017 में सुनाया गया। मामले में परिवादी तुलसी मोटर्स के संचालक अजय बहादुर सिंह ने आरोपी जितेंद्र वर्मा उर्फ जितेंद्र विश्वकर्मा के विरुद्ध परिवाद प्रस्तुत किया था आरोप था कि आरोपी ने उनकी एजेंसी से वाहन खरीदा था और शेष 1.65 लाख रुपये के भुगतान हेतु चेक दिया जो बैंक में प्रस्तुत करने पर बाउंस हो गया। परिवादी पक्ष के अनुसार राशि की वसूली के लिए आरोपी को विधिक नोटिस भी भेजा गया था लेकिन नोटिस प्राप्त होने के बावजूद भुगतान नहीं किया गया। इसके बाद मामला न्यायालय में प्रस्तुत किया गया जहां परिवादी ने अपने साक्ष्यों में आरोपों का समर्थन किया। हालांकि न्यायालय ने परिवादी और बचाव पक्ष द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों एवं दस्तावेजों का गहन परीक्षण करने के बाद पाया कि मामला संदेह से परे सिद्ध नहीं हो पाया साक्ष्यों में पर्याप्त ठोस आधार न मिलने के कारण न्यायालय ने आरोपी को दोषमुक्त घोषित कर दिया। इस प्रकरण में आरोपी जितेंद्र वर्मा उर्फ जितेंद्र विश्वकर्मा, निवासी मैदानी थाना सिविल लाइन, जिला रीवा की ओर से अधिवक्ता कुलदीप सिंह सोमवंशी ने पैरवी की न्यायालय के इस फैसले को साक्ष्यों के आधार पर न्यायिक प्रक्रिया की निष्पक्षता का उदाहरण माना जा रहा है।

जल गंगा संवर्धन अभियान में ग्रे वाटर प्रबंधन कार्य सम्पन्र्न, जल संरक्षण की दिशा में पहल

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जल संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत ग्राम पंचायत बरमानी जनपद पंचायत में ग्रे वाटर प्रबंधन से जुड़े कार्य सफलतापूर्वक सम्पन्न किए गए इस दौरान लीच पिट एवं कंपोस्ट पिट की स्वच्छता के लिए श्रमदान, सफाई और रंगाई-पुताई का कार्य किया गया जिसमें ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। ग्रे वाटर प्रबंधन के अंतर्गत घरों और कार्यालयों से निकलने वाले साबुनयुक्त पानी, जैसे सिंक, शावर, बाथटब और वॉशिंग मशीन के पानी का उपचार कर पुनः उपयोग किया जाता है। यह पानी मल रहित होता है और इसे रिसाइकिल कर बागवानी, टॉयलेट फ्लशिंग तथा साफ-सफाई जैसे कार्यों में उपयोग में लाया जा सकता है अभियान के तहत किए गए इस कार्य से न केवल जल संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा बल्कि ग्रामीणों में जल के समुचित उपयोग के प्रति जागरूकता भी बढ़ेगी स्थानीय स्तर पर इस तरह की पहल से जल संकट को कम करने और संसाधनों के बेहतर प्रबंधन में मदद मिल रही है।

दो दिवसीय शिविरों में कलेक्टर ने सुनी जनसमस्याएं, त्वरित निराकरण के दिए निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। विकास मिश्रा द्वारा 'संकल्प से समाधान' अभियान एवं किसान कल्याण वर्ष के अंतर्गत विकासखंड सिहावल के विभिन्न ग्रामों में दो दिवसीय जन चौपाल एवं जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित किए गए इस दौरान कलेक्टर ने आमजन की समस्याएं सुनकर उनके त्वरित निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। ग्राम कोदौरा में आयोजित शिविर में कलेक्टर ने प्राप्त शिकायतों की गंभीरता से समीक्षा की। यहां अतिक्रमण, सीमांकन, पेंशन न मिलना और विभिन्न हितग्राहीमूलक योजनाओं से जुड़ी समस्याएं प्रमुख रूप से सामने आई कलेक्टर ने इन सभी मामलों के शीघ्र समाधान के निर्देश दिए दिव्यांगजनों द्वारा उपकरण की मांग पर पात्रतानुसार उपलब्ध कराने की बात कही गई। इसके साथ ही कलेक्टर ने सड़कों के निर्माण और अतिक्रमण हटाने के मुद्दे पर 14 अप्रैल को अम्बेडकर जयंती के अवसर पर आयोजित ग्रामसभा में प्रस्ताव पारित करने के निर्देश दिए पंचायत निधि से मरम्मत कार्य कराने तथा प्रस्ताव मिलने के बाद अतिक्रमण चिन्हांकन कर कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया ग्राम पंचायत लौआ में आयोजित शिविर के दौरान कलेक्टर ने माता लौआ देवी मंदिर के लिए प्रबंध समिति गठित करने के निर्देश दिए। वहीं ग्राम सिहौलिया में ग्रामीणों ने विद्युत व्यवस्था सुधारने नए हैंडपंप खनन और खेत सड़क निर्माण की मांग रखी इन मांगों पर कलेक्टर ने संबंधित विभागों को समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कलेक्टर ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जनसमस्याओं के समाधान में संवेदनशीलता बरती जाए और समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाए ताकि आमजन को शीघ्र राहत मिल सके। इस अवसर पर उपखंड अधिकारी सिहावल राजेश शुक्ला, जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी रश्मि पाण्डेय सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

मझौली महाविद्यालय में डॉ. अंबेडकर जयंती हर्षोल्लास से मनाई गई

सामाजिक न्याय और समानता के प्रतीक हैं बाबा साहब

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय मझौली में डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती गरिमामय और उत्साहपूर्ण वातावरण में मनाई गई कार्यक्रम का आयोजन मध्यप्रदेश शासन के निर्देशन तथा महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. गीता भारती के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती एवं बाबा साहब के छायाचित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के साथ किया गया इस अवसर पर छात्राओं राखी गुप्ता और रेखा गुप्ता ने स्वागत गीत प्रस्तुत कर अतिथियों का अभिनंदन किया मुख्य अतिथि धनंजय मिश्रा ने अपने संबोधन में कहा कि बाबा साहब के विचार सामाजिक न्याय, समानता और अधिकारों पर आधारित हैं जो आज भी पूरी तरह प्रासंगिक हैं उन्होंने

विद्यार्थियों से उनके सिद्धांतों को जीवन में अपनाने का आह्वान किया। प्राचार्य डॉ. गीता भारती ने डॉ. अंबेडकर के भारतीय संविधान निर्माण में योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने लोकतंत्र को समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व के मजबूत आधार पर स्थापित किया साथ ही उन्होंने लोकतंत्र में सशक्त विपक्ष की भूमिका को भी महत्वपूर्ण बताया। इस दौरान अखिलेश पाण्डेय सहित अन्य वक्ताओं ने भी अपने विचार रखते हुए बाबा साहब के आदर्शों को अपनाने पर बल दिया। कार्यक्रम में रामेश्वर प्रसाद त्रिपाठी, सरिता सिंह, चंद्रकांत सिंह, अयोध्या प्रसाद पटेल, संतोष तिवारी सहित महाविद्यालय के प्राध्यापकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। अंत में सभी प्रतिभागियों ने डॉ. अंबेडकर के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लिया।

खतरे में युद्धविराम 3

संपादकीय

दोनों ही पक्षों को यह समझना होगा कि युद्धविराम केवल उनके या फिर पश्चिम एशिया के लिए ही नहीं, पूरी दुनिया के लिए आवश्यक है, क्योंकि होर्मुज समुद्री मार्ग बाधित होने से विश्व अर्थव्यवस्था गहरे संकट का सामना कर रही है।

यह निराशाजनक है और चिंताजनक भी कि 40 दिनों के घमासान के बाद अमेरिका और ईरान के बीच जिस युद्धविराम पर सहमति बनी, वह लागू होने के पहले ही खटाई में पड़ता दिख रहा है। इसका कारण यह है कि लेबनान में इजरायल के हमले थमे नहीं। इजरायल का कहना है कि लेबनान पर हमले रोकना युद्धविराम समझौते का हिस्सा नहीं था। अमेरिका भी यही कह रहा है, लेकिन ईरान इससे सहमत नहीं और वह होर्मुज समुद्री मार्ग खोलने से पीछे हट गया है। स्पष्ट है कि यदि इजरायल के लेबनान पर हमले जारी रहते हैं तो पाकिस्तान की कथित मध्यस्थता से जिस युद्धविराम पर सहमति बनी और जिसके कारण विश्व ने राहत की सांस ली, वह लागू ही नहीं हो सकेगा। इसके लागू होने के आसार इसलिए भी कम होते दिख रहे हैं, क्योंकि इजरायल के लेबनान पर हमलों के जवाब में ईरान खाड़ी देशों को निशाना बना रहा है और उधर अमेरिका धमकी भरे स्वर में कह रहा है कि युद्धविराम लागू न होने पर उसकी सेनाएं ईरान पर हमले के लिए तैयार हैं। युद्धविराम कितनी नाजुक स्थिति में है, इसका पता इससे भी चलता है कि वार्ता के लिए ईरान का जो प्रतिनिधिमंडल इस्लामाबाद पहुंचने वाला था, उसका फिलहाल वहां जाना तय नहीं। इस सबके बीच जिन शर्तों पर युद्धविराम पर सहमति बनी थी, उन्हें लेकर अमेरिका और ईरान अलग-अलग दावे कर रहे हैं। दोनों पक्ष एक-दूसरे पर यह आरोप लगा रहे हैं कि वे उनकी मंशा सही तरह समझे नहीं। ऐसा तभी होता है, जब अविश्वास चरम पर होता है और विरोधी पक्ष एक-दूसरे के प्रति संशय से भरे होते हैं। इस संशय का एक कारण पाकिस्तान की कथित मध्यस्थता भी है। अब यह स्पष्ट है कि पाकिस्तान मध्यस्थता का नहीं, संदेश वाहक का काम रहा रहा था। लगता है वह यह काम भी ढंग से नहीं कर सका या फिर शांति का वाहक बनने की हड़बड़ी में उसने एक-दूसरे को संदेश देने में गफलत की या जानबूझकर ऐसे संदेशों का आदान-प्रदान किया, जो भ्रम पैदा करने वाले रहे। यह समझना कठिन है कि अमेरिका ने क्या सोचकर पाकिस्तान को अपना हरकारा बनाया, क्योंकि उसका इजरायल से कोई संपर्क-संवाद ही नहीं और ईरान भी उस पर बहुत भरोसा नहीं करता। यदि अमेरिका और ईरान वास्तव में युद्धविराम कर बातचीत के माध्यम से विवादों का हल करना चाहते हैं तो उन्हें ऐसे किसी भरोसेमंद मध्यस्थ का चयन करना होगा, जिसकी कुछ साख हो।

राष्ट्रीय सुरक्षित मातृत्व दिवसः हर माँ की सुरक्षा का संकल्प

(11 अप्रैल राष्ट्रीय सुरक्षित मातृत्व दिवस पर विशेष आलेख)

सुनील कुमार महला

11 अप्रैल को भारत में राष्ट्रीय सुरक्षित मातृत्व दिवस मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य, सुरक्षित प्रसव और मातृ सुरक्षा के प्रति व्यापक जागरूकता बढ़ाना है। इस अवसर पर देशभर में सरकारी और निजी संस्थानों द्वारा स्वास्थ्य शिविर, निःशुल्क जांच, परामर्श और जागरूकता अभियान आयोजित किए जाते हैं। इस दिवस का मुख्य लक्ष्य मातृ मृत्यु दर में कमी लाना, संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देना, गर्भवती महिलाओं को प्रसव पूर्व और प्रसवोत्तर देखभाल, संतुलित पोषण तथा गर्भावस्था के दौरान होने वाले खतरनाक संकेतों के बारे में शिक्षित करना है। साथ ही, ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण मातृत्व स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करना और हर महिला को सुरक्षित व सम्मानजनक प्रसव की सुविधा उपलब्ध कराना भी इसका प्रमुख उद्देश्य है। भारत सरकार ने 11 अप्रैल 2003 को 'व्हाइट रिबन एलायंस इंडिया' के अनुरोध पर इस दिवस की शुरुआत की थी, जिसके लिए 1800 से अधिक स्वयंसेवी संस्थाओं ने मिलकर अभियान चलाया था। इस दिवस का प्रतीक सफेद रिबन है, जो उन माताओं के प्रति शोक व्यक्त करता है जिनकी मृत्यु गर्भावस्था या प्रसव के दौरान हुई, और साथ ही आशा, पवित्रता तथा इस संदेश का प्रतीक है कि गर्भावस्था कोई बीमारी नहीं है और किसी भी महिला को जीवन देते समय अपनी जान नहीं गंवानी चाहिए।

भारत दुनिया का पहला देश है जिसने सुरक्षित मातृत्व के लिए एक समर्पित राष्ट्रीय दिवस घोषित किया, जबकि अन्य देश और वैश्विक संगठन सामान्यतः 28 मई को 'इंटरनेशनल डे ऑफ एक्शन फॉर वीमेन हेल्थ' मनाते हैं। यह दिवस कस्तूरबा गांधी की जयंती पर मनाया जाता है, जिन्होंने स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के साथ-साथ महिलाओं के स्वास्थ्य, स्वच्छता और सुरक्षित प्रसव के लिए उल्लेखनीय कार्य किए। साबरमती आश्रम में उन्होंने महिलाओं को स्वास्थ्य और स्वच्छता के प्रति जागरूक किया और उस समय, जब स्वास्थ्य सुविधाएं अत्यंत सीमित थीं, वे स्वयं एक कुशल प्रसव सहायिका के रूप में कार्य करती थीं तथा ग्रामीण महिलाओं को सुरक्षित प्रसव के लिए शिक्षित करती थीं। इस प्रकार यह दिवस उनके मौन लेकिन महत्वपूर्ण योगदान को स्मरण करने का अवसर भी है।

बहरहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि हमारे देश में मातृ स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाएं संचालित की जा रही हैं। 'प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान' के अंतर्गत प्रत्येक माह की 9 तारीख को सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों पर गर्भवती महिलाओं को निःशुल्क विशेषज्ञ जांच की सुविधा प्रदान की जाती है। 'जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम' के तहत गर्भवती महिलाओं को मुफ्त प्रसव, भोजन और जांच की सुविधा मिलती है। इसके अतिरिक्त, 'नर्स प्रैक्टिशनर इन मिडवाइफरी' के माध्यम से पारंपरिक दाइयों के अनुभव को आधुनिक चिकित्सा विज्ञान से जोड़कर 'मिडवाइफरी लेड केयर यूनिट्स' विकसित किए जा रहे हैं, जिससे प्रसव प्रक्रिया को अधिक सुरक्षित, सहज और कम तनावपूर्ण बनाया जा सके।

वास्तव में, यह काबिले-तारीफ है कि पिछले एक दशक में भारत ने मातृ मृत्यु दर में लगभग 70 प्रतिशत की उल्लेखनीय कमी दर्ज की है और आज लगभग 90 प्रतिशत प्रसव अस्पतालों में (संस्थागत प्रसव) हो रहे हैं, जबकि 2003 में यह संख्या काफी कम थी। नवीनतम आंकड़ों के अनुसार भारत का मातृ मृत्यु दर (एमएमआर) घटकर 88 प्रति लाख जीवित जन्म हो गया है, जो राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति के निर्धारित लक्ष्य (100 से कम) से बेहतर है। यदि वैश्विक स्तर पर तुलना करें तो 1990 के बाद से भारत ने अपनी मातृ मृत्यु दर में लगभग 86 प्रतिशत की कमी हासिल की है, जबकि इसी अवधि में वैश्विक औसत गिरावट केवल 48 प्रतिशत रही है। वर्तमान में भारत का लक्ष्य 2030 तक संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों के अनुरूप इस दर को 70 से नीचे लाना है।

अशांति की आग से कब तक झुलसता रहेगा मणिपुर?

मणिपुर फिर जल उठा है। मणिपुर एक बार फिर से हिंसा की आग में झुलस रहा है और यह केवल एक राज्य का संकट नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए गहरी चिंता का विषय बन चुका है।लोकसभा की पटल से पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा था कि मणिपुर में जल्द ही शांति का सूरज जरूर उगेगा। उनके उस बयान पर उस समय सदन में ज्यादातर सांसनो मेज थपथपा कर अपना समर्थन दिया था। पीएम मोदी की आवाज में भी एक ऐसा विश्वास था कि सभी मान गए थे कि मणिपुर में हालात सुधर जाएंगे। अब उस बयान को दो साल पूरे होने को हैं और मणिपुर फिर जल रहा है, मणिपुर फिर कर्फ्यू का दंश झेल रहा है, कई जगहों पर इंटरनेट सस्पेंड हो चुका है। केंद्र और राज्य सरकार की तमाम कोशिशों के बावजूद हालात काबू में आते नहीं दिख रहे हैं। मोहरांग क्षेत्र में हुए रॉकेट हमले में दो मासूम बच्चों की मौत ने इस संकट को और भयावह बना दिया है। मणिपुर में एक बार फिर हिंसा ने हालात को तनावपूर्ण बना दिया है. ताजा घटनाक्रम में केंद्रीय रिज़र्व पुलिस बल की फायरिंग में मरने वालों की संख्या बढ़कर तीन हो गई है. वहीं राज्य सरकार ने हालात को देखते हुए इंटरनेट सेवाओं में आंशिक राहत देने का फैसला किया है, ताकि जरूरी सेवाएं प्रभावित न हों।

मनोज कुमार अग्रवाल

मणिपुर में हालिया हिंसा के दौरान सुरक्षा बल की फायरिंग में घायल हुए एक युवक की बुधवार को मौत हो गई. मृतक की पहचान 31 वर्षीय वांगहेंगबम बॉबी के रूप में हुई है. वह बिष्णुपुर जिले के कुंबी तेराखोंग माखा लीकाई का रहने वाला था. इस मौत के बाद फायरिंग में मरने वालों की संख्या तीन हो गई है. इससे पहले मंगलवार को दो लोगों की जान गई थी, जबकि कई लोग घायल हुए थे.। यह घटना सिर्फ एक आपराधिक वारदात नहीं, बल्कि उस अस्थिर सामाजिक ढांचे का प्रतीक है, जो पिछले कई महीनों से भीतर ही भीतर सुलग रहा था। इस दर्दनाक घटना ने न केवल स्थानीय लोगों के मन में भय और आक्रोश पैदा किया है, बल्कि पूरे देश के सामने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि आखिर मणिपुर में में शांति कब और कैसे लौटेगी। इस प्रदेश में स्थायी शांति का इंतजार काफी लंबा होता जा रहा है। रात के सन्नाटे में एक घर पर रॉकेट हमला होना, जिसमें एक पांच महीने की बच्ची और एक पांच साल के बच्चे की जान चली जाती है, यह किसी भी सभ्य समाज के लिए शर्मनाक और अस्वीकार्य है। यह आंकड़ों का खेल नहीं, बल्कि उन परिवारों की टूटती दुनिया की कहानी है, जिनके लिए जीवन अब कभी पहले जैसा नहीं रहेगा। बिष्णुपुर जिले में इस घटना के बाद जो प्रतिक्रिया देखने को मिली, वह इस बात का संकेत है कि जनता का धैर्य अब जवाब दे रहा है। सड़कों पर उत्तरी भीड़, कर्फ्यू का लागू होना, पांच जिलों में इंटरनेट सेवाओं का बंद होना और सुरक्षा बलों की बढ़ती तैनाती ये सभी हालात की गंभीरता को दर्शाते हैं। प्रदर्शनकारियों द्वारा सुरक्षा बलों के खिलाफ हिंसक प्रतिक्रिया और जवाब में हुई फायरिंग, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई, यह बताता है। है कि हालात कितने नाजुक और विस्फोटक हो चुके हैं। मणिपुर में मई 2023 से जारी जातीय हिंसा का यह नया अध्याय है, जिसकी जड़ें कहीं गहरी हैं। मैतेई और कुकी जो समुदायों के बीच बढ़ती दूरी और अविश्वास ने इस संघर्ष को लगातार हवा दी है। 27 मार्च 2023 को हाई कोर्ट के उस निर्देश के बाद, जिसमें मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने पर विचार करने की बात कही गई थी, स्थिति और भी संवेदनशील हो गई। कुकी और अन्य आदिवासी समुदायों को यह डर सताने लगा कि उनके अधिकारों और संसाधनों पर असर पड़ेगा। इसके बाद 3 मई 2023 को शुरू हुआ विरोध प्रदर्शन धीरे-धीरे हिंसा में

बदल गया और आज तक यह सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा। सरकार ने हालात को काबू में करने के लिए कई कदम उठाए हैं। अतिरिक्त सुरक्षाबलों की तैनाती, कर्फ्यू, इंटरनेट सेवाओं का निलंबन, शांति समिति का गठन और राहत शिविरों का संचालन ये सभी प्रयास इस बात का संकेत हैं कि प्रशासन स्थिति को संभालने के लिए सक्रिय है। लेकिन इसके बावजूद हिंसा का दौर जारी है। समुदायों के बीच लंबे समय से जारी हिंसा में तीन सौ से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है और 1500 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक 50 हजार से ज्यादा लोग अब भी विभिन्न राहत शिविरों में रह रहे हैं। ऐसे में हिंसा रोकने के लिए जो कदम उठा गए हैं, उसको लेकर सवाल न सवाल यह है कि क्या ये कदम पर्याप्त हैं? क्या ये केवल तात्कालिक समाधान हैं या वास्तव में स्थायी शांति की दिशा में कोई ठोस पहल ? फरवरी 2026 में राष्ट्रपति शासन हटने और नई सरकार के गठन के बाद यह उम्मीद जगी थी कि मणिपुर में हालात सामान्य होंगे। लेकिन हालिया घटनाएं यह दर्शाती हैं कि राजनीतिक बदलाव से ज्यादा जरूरी है सामाजिक विधास का पुनर्निर्माण। जब तक विभिन्न समुदायों के बीच संवाद और विश्वास की प्रक्रिया मजबूत नहीं होगी, तब तक शांति केवल एक सपना बनी रहेगी। इस संकट ने राजनीतिक स्तर पर भी कई सवाल खड़े किए हैं। डबल इंजन सरकार की अवधारणा, जो केंद्र और राज्य के बीच बेहतर समन्वय का दावा करती है, इस समय कठघरे में खड़ी नजर आ रही है। विपक्ष लगातार सरकार पर आरोप लगा रहा है कि वह इस मुद्दे को गंभीरता से नहीं ले रही। वहीं सत्तारूढ़ दल के लिए भी यह चुनौती कम नहीं है, क्योंकि उसे न केवल कानून-व्यवस्था बनाए रखनी है, बल्कि सामाजिक संतुलन भी कायम करना है। कुकी-जो समुदाय की अलग प्रशासन की मांग इस पूरे संकट को और जटिल बना रही है। यह मांग सीधे तौर पर राज्य की एकता और अखंडता के सवाल से जुड़ी है। ऐसे में सरकार के लिए संतुलन बनाना बेहद कठिन हो गया है। एक तरफ उसे समुदायों की भावनाओं को समझना है, वहीं दूसरी ओर उसे संविधान और राष्ट्रीय एकता की रक्षा भी करनी है। मणिपुर की मौजूदा स्थिति हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि क्या केवल सुरक्षा बलों के दम पर शांति कायम की जा सकती है? इसका जवाब स्पष्ट है नहीं। शांति केवल हथियारों से नहीं, बल्कि संवाद, विश्वास और न्याय से स्थापित होती है। सरकार को चाहिए कि वह सभी पक्षों को एक मंच पर लाए, उनकी बात सुने और एक ऐसा समाधान निकाले जो सभी के लिए स्वीकार्य हो। इसके साथ ही, पुनर्वास और पुनर्निर्माण की प्रक्रिया को भी प्राथमिकता दी जानी चाहिए। जिन लोगों ने इस हिंसा में अपने घर, परिवार और आजीविका खो दी है, उनके लिए केवल राहत शिविर पर्याप्त नहीं हैं। उन्हें एक सम्मानजनक जीवन वापस दिलाने के लिए दीर्घकालिक योजनाओं की आवश्यकता है। मीडिया और नागरिक समाज की भूमिका भी इस समय बेहद महत्वपूर्ण है। उन्हें जिम्मेदारी के साथ काम करते हुए ऐसी खबरों और संदेशों को बढ़ावा देना चाहिए, जो शांति और एकता को मजबूत करें। अफवाहों और भड़काऊ सामग्री से बचना इस समय की सबसे बड़ी जरूरत है। अंततः मणिपुर का यह संकट हमें यह सिखाता है कि विविधता में एकता केवल एक नारा नहीं, बल्कि एक सतत प्रयास है। जब तक हम एक-दूसरे के दर्द को समझने और साझा करने की कोशिश नहीं करेंगे, तब तक ऐसी घटनाएं बार-बार हमें झकझोरती रहेंगी। सबसे बड़ा संकट भरोसे का है। आज मणिपुर में लोग एक-दूसरे पर भरोसा नहीं कर पा रहे हैं। समुदाय अपने-अपने इलाकों में सिमट गए हैं। राहत शिविरों में रह रहे हजारों विस्थापित लोग अपने घर लौटने से डरते हैं। ऐसे माहौल में केवल पुलिस या सेना के बल पर शांति कायम नहीं की जा सकती। शांति के लिए जरूरी है संवाद सच्चा, ईमानदार और निरंतर संवाद। सरकार को सभी समुदायों के प्रतिनिधियों को एक मंच पर लाकर उनकी चिंताओं को समझना होगा। केवल राजनीतिक समाधान नहीं, बल्कि सामाजिक और मानवीय समाधान की भी आवश्यकता है। इसके साथ ही, सुरक्षा व्यवस्था को भी मजबूत करना होगा। लूटे गए हथियारों की बरामदगी, सीमावर्ती इलाकों में निगरानी, और हिंसक तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई ये कदम जरूरी हैं। लेकिन यह भी ध्यान रखना होगा कि सख्ती और संवेदनशीलता के बीच संतुलन बना रहे, ताकि आम नागरिक खुद को सुरक्षित महसूस करें, न कि भयभीत। मीडिया और नागरिक समाज की भी इस समय महत्वपूर्ण भूमिका है। अफवाहों और नफरत फैलाने वाले संदेशों को रोकना, सही जानकारी लोगों तक पहुंचाना और शांति के लिए माहौल बनाना ये सभी जिम्मेदारियां साझा हैं। आज जरूरत है एक व्यापक, संवेदनशील और समावेशी दृष्टिकोण की। सरकार, राजनीतिक दलों, नागरिक समाज और आम जनता सभी को मिलकर इस दिशा में काम करना होगा, क्योंकि मणिपुर की शांति केवल वहां के लोगों के लिए नहीं, बल्कि पूरे देश की एकता और अखंडता के लिए जरूरी है।इस अशांति के पीछे छिपे विदेशी ताकतों के दुष्प्रयासो को भी नाकाम करना होगा ।

आखिर युद्ध से मिला क्या ?

दुनिया एक बार फिर उसी मोड़ पर खड़ी दिखाई देती है, जहाँ शक्ति प्रदर्शन, धमकियों और सैन्य गतिविधियों के बीच मानवता की आवाज़ कहीं दब सी जाती है। हालिया घटनाओं ने यह प्रश्न फिर से प्रासंगिक बना दिया है कि आखिर युद्ध से किसी को वास्तव में क्या मिलता है। क्या यह केवल ताकत का प्रदर्शन भर है, या इसके पीछे कोई स्थायी समाधान भी निहित होता है? इतिहास और अनुभव दोनों इस तथ्य की पुष्टि करते हैं कि युद्ध किसी समस्या का अंत नहीं करता, बल्कि वह नई समस्याओं की एक अंतहीन श्रृंखला को जन्म देता है। आज जब वैश्विक परिदृश्य में अस्थिरता बढ़ती जा रही है, तब यह प्रश्न और भी अधिक गंभीर हो उठता है।

डॉ. सत्यवान सौरभ

(सभ्यता, संतुलन और मानवता पर मंडराता संकट)

युद्ध की शुरुआत प्रायः राष्ट्रीय सुरक्षा, आत्मरक्षा या सम्मान की रक्षा के नाम पर होती है, लेकिन इसका परिणाम कहीं अधिक व्यापक और विनाशकारी होता है। युद्ध के बाद जिन्हें विजेता कहा जाता है, वे भी भीतर से कमजोर हो जाते हैं। उनकी अर्थव्यवस्था पर भारी बोझ पड़ता है, संसाधनों की बर्बादी होती है, और सामाजिक ढांचा चरमराने लगता है। शिक्षा, स्वास्थ्य और विकास जैसे क्षेत्रों पर इसका सीधा नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। दूसरी ओर, पराजित देश तो पहले से ही विनाश के मलबे तले दब जाते हैं, जहाँ पुनर्निर्माण की प्रक्रिया वर्षों तक चलती है और पीढ़ियाँ उसकी कीमत चुकाती हैं। इस पूरी प्रक्रिया में सबसे अधिक क्षति आम नागरिकों को उठानी पड़ती है, जिनका न तो युद्ध में कोई प्रत्यक्ष योगदान होता है और न ही निर्णय प्रक्रिया में कोई प्रभाव। युद्ध केवल भौतिक विनाश ही नहीं लाता, बल्कि यह मनोवैज्ञानिक और सांस्कृतिक स्तर पर भी गहरे घाव छोड़ता है। विस्थापन, भय, असुरक्षा और मानसिक आघात ऐसी स्थितियाँ हैं, जो युद्ध के बाद लंबे समय तक समाज को प्रभावित करती हैं। बच्चे, महिलाएँ और बुजुर्ग सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। उनके जीवन की सामान्य धारा बाधित हो जाती है, और वे एक अनिश्चित भविष्य की ओर धकेल दिए जाते हैं। सभ्यता, जो हजारों वर्षों में विकसित होती है, वह कुछ ही दिनों या महीनों में बिखर सकती है। हाल के घटनाक्रम यह भी दर्शाते हैं कि बाहरी हमले और दबाव किसी देश को कमजोर करने के बजाय उसे और अधिक संगठित तथा आक्रामक बना सकते हैं। जब किसी राष्ट्र पर लगातार दबाव डाला जाता है, तो वहाँ राष्ट्रवाद की भावना प्रबल हो जाती है। लोग अपने आंतरिक मतभेद भुलाकर बाहरी खतरे के विरुद्ध एकजुट हो जाते हैं। इस प्रकार, जो रणनीति किसी देश को झुकाने के लिए अपनाई जाती है, वही उसे और अधिक सशक्त बना सकती है। यह युद्ध की सबसे बड़ी विडंबनाओं में से एक है कि वह अपने घोषित उद्देश्यों को भी कई बार पूरा नहीं कर पाता। युद्ध का प्रभाव केवल युद्धरत देशों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उसका असर वैश्विक स्तर पर महसूस किया जाता है। अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था, व्यापार मार्ग और ऊर्जा आपूर्ति जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र इससे सीधे प्रभावित होते हैं। होर्मुज जलडमरूमध्य जैसे संवेदनशील समुद्री मार्गों पर उत्पन्न संकट पूरी दुनिया की आर्थिक स्थिरता को प्रभावित कर सकता है। तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव, आपूर्ति श्रृंखलाओं में बाधाएँ और निवेश में अनिश्चितता जैसे परिणाम वैश्विक स्तर पर दिखाई देते हैं। विकासशील देशों पर इसका प्रभाव और अधिक गंभीर होता है, क्योंकि उनकी अर्थव्यवस्था पहले से ही सीमित संसाधनों पर निर्भर होती है। जब महाशक्तियाँ किसी संघर्ष में शामिल होती हैं, तो स्थिति और अधिक जटिल हो जाती है। उनका हस्तक्षेप केवल सैन्य स्तर तक सीमित नहीं रहता, बल्कि कूटनीतिक, आर्थिक और रणनीतिक आयाम भी ग्रहण कर लेता है। इससे छोटे और मध्यम देशों के लिए अपनी स्थिति स्पष्ट करना कठिन हो जाता है। वे अक्सर ऐसे संतुलन की तलाश में रहते हैं, जिसमें उनके राष्ट्रीय हित सुरक्षित रहें और वे किसी बड़े टकराव का हिस्सा भी न बनें। लेकिन यह संतुलन बनाए रखना आसान नहीं होता, क्योंकि हर निर्णय के दूरगामी परिणाम होते हैं। पश्चिम एशिया इस प्रकार के जटिल संघर्षों का एक प्रमुख उदाहरण है, जहाँ राजनीतिक, धार्मिक और सामरिक कारणों से तनाव लगातार बना रहता है। यहाँ की परिस्थितियाँ यह संकेत देती हैं कि एक छोटी-सी चिंगारी भी व्यापक संघर्ष का रूप ले सकती है। विभिन्न देशों और संगठनों की सक्रियता ने इस क्षेत्र को और अधिक संवेदनशील बना दिया है। यहाँ होने वाले किसी भी घटनाक्रम का प्रभाव केवल क्षेत्रीय नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर महसूस किया जाता है। ऐसे परिदृश्य में कुछ देशों ने संतुलित और परिपक्व कूटनीति का परिचय देने का प्रयास किया है। उन्होंने न केवल अपने राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता दी, बल्कि वैश्विक शांति और स्थिरता को भी ध्यान में रखा। यह इस बात का प्रमाण है कि संवाद और कूटनीति के माध्यम से भी जटिल परिस्थितियों का समाधान खोजा जा सकता है। भले ही यह प्रक्रिया धीमी और चुनौतीपूर्ण हो, लेकिन यही स्थायी शांति की दिशा में सबसे विश्वसनीय मार्ग है। वर्तमान समय में युद्ध का एक और महत्वपूर्ण आयाम सूचना और प्रचार का है। अब युद्ध केवल रणभूमि तक सीमित नहीं रहा, बल्कि मीडिया और डिजिटल मंचों पर भी लड़ा जा रहा है। सूचनाओं का नियंत्रण, अफवाहों का प्रसार और जनमत को प्रभावित करने के प्रयास इस संघर्ष का अभिन्न हिस्सा बन चुके हैं। इससे सत्य और असत्य के बीच अंतर करना और भी कठिन हो गया है। सोशल मीडिया के दौर में एक छोटी-सी भ्रामक सूचना भी बड़े स्तर पर भ्रम और तनाव उत्पन्न कर सकती है। इसके अतिरिक्त, युद्ध पर्यावरण पर भी गंभीर प्रभाव डालता है। बमबारी, रासायनिक हथियारों का उपयोग, और औद्योगिक ढाँचों का विनाश पर्यावरण को दीर्घकालिक नुकसान पहुँचाता है। जल, वायु और भूमि प्रदूषण के कारण प्राकृतिक संतुलन बिगड़ जाता है। जैव विविधता पर इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ता है, और कई बार यह नुकसान अपरिवर्तनीय होता है। इस प्रकार, युद्ध केवल वर्तमान पीढ़ी को ही नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को भी प्रभावित करता है। अंततः यह स्पष्ट है कि युद्ध किसी भी समस्या का स्थायी समाधान नहीं है। यह केवल अस्थायी जीत और स्थायी घाव छोड़ता है। मानवता, विकास और शांति के पथ पर अग्रसर होने के लिए आवश्यक है कि राष्ट्र संवाद, सहयोग और पारस्परिक समझ को प्राथमिकता दें। अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की भूमिका को भी मजबूत करने की आवश्यकता है, ताकि वे संघर्षों को रोकने और समाधान खोजने में अधिक प्रभावी हो सकें। आज की दुनिया को यह समझना होगा कि असली शक्ति विनाश में नहीं, बल्कि सृजन में निहित है। जो देश और समाज इस सत्य को स्वीकार कर लेंगे, वही भविष्य में स्थायी शांति और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त कर पाएंगे। युद्ध के धुएँ में भले ही क्षणिक विजय का भ्रम दिखाई दे, लेकिन जब वह धुआँ छंटता है, तो पीछे केवल विनाश, पछतावा और अनिश्चितता ही शेष रह जाती है। यही युद्ध की सबसे बड़ी सच्चाई है–एक ऐसी सच्चाई, जिसे समझना और स्वीकार करना आज पहले से कहीं अधिक आवश्यक हो गया है।

दिव्यांग का स्वीकृत आवास सचिव ने किया निरस्त :10 हजार रिश्वत मांगने का आरोप

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। कोलारस जनपद की गणेशखेड़ा पंचायत में आवास योजना घोटाले के गंभीर आरोप सामने आए हैं पंचायत सचिव साहब सिंह रावत पर हितग्राहियों से 10 हजार रुपये की रिश्वत मांगने के आरोप लगे हैं पैसे नहीं देने पर दिव्यांग सहित कई ग्रामीणों के आवास रोक दिए गए जबकि एक दिव्यांग का तो स्वीकृत आवास ही निरस्त कर दिया गया मामला सामने आने के बाद जांच दल गठित कर रिपोर्ट जिला पंचायत को भेज दी गई है। गणेशखेड़ा पंचायत के पिपरौदा गांव के ग्रामीणों ने पंचायत सचिव साहब सिंह रावत पर आरोप लगाया है कि वे आवास योजना का लाभ दिलाने और किस्त जारी कराने के नाम पर 10 हजार रुपये की मांग कर रहे हैं जो लोग पैसे देने से इनकार कर रहे हैं उनके आवास लंबित कर दिए जा रहे हैं। विनोद धाकड़ और मनीष धाकड़ का कहना है कि उनका आवास स्वीकृत हुए करीब दो महीने हो चुके हैं लेकिन अब तक पहली किस्त उनके खातों में नहीं आई जब भी वे सचिव से संपर्क करते हैं उन्हें कभी बजट की कमी तो कभी तकनीकी कारण बताकर टाल दिया जाता है जबकि अंदरखाने पैसे की मांग की जाती है। पिपरौदा गांव के दिव्यांग देवेंद्र वर्मा का मामला इस पूरे प्रकरण में सबसे गंभीर और संवेदनशील है। देवेंद्र ने बताया कि करीब तीन महीने पहले उनका नाम आवास योजना की सूची में शामिल किया गया था वे बेहद गरीब हैं और झोपड़ी में जीवन यापन कर रहे हैं। देवेंद्र के अनुसार सूची में नाम आने के कुछ समय बाद पंचायत सचिव साहब सिंह रावत ने उनसे 10 हजार रुपये की मांग की। देवेंद्र ने अपनी आर्थिक स्थिति का हवाला देते हुए पैसे देने से मना कर दिया। इसके बाद पहले उनके आवास की प्रक्रिया रोक दी गई और फिर कुछ समय बाद उनका नाम सूची से ही हटा दिया गया यानी उनका स्वीकृत आवास निरस्त कर दिया गया। उन्होंने इस पूरे मामले की शिकायत सीएम हेल्पलाइन पर भी दर्ज कराई वहां से उन्हें जवाब मिला कि उनके नाम पर पहले से पक्का मकान दर्ज है इसलिए उन्हें अपात्र माना गया। देवेंद्र का कहना है कि यह पूरी तरह गलत है वे अपने पिता से अलग रहते हैं उनके पास खुद का कोई पक्का मकान नहीं है और वे झोपड़ी में गुजर-बसर कर रहे हैं उनके नाम अलग से बीपीएल राशन कार्ड भी बना हुआ है जो उनकी पात्रता को दर्शाता है। देवेंद्र ने यह भी आरोप लगाया कि पंचायत में पैसे लेकर ऐसे लोगों को आवास योजना में शामिल किया गया है जिनके पास पहले से पक्के मकान, जमीन और ट्रैक्टर तक हैं। सरपंच प्रतिनिधि और सरपंच पुत्र बलबीर धाकड़ ने भी इस मामले को गंभीर बताते हुए कहा कि पंचायत सचिव अपने दायित्वों का सही निर्वहन नहीं कर रहे हैं और हितग्राहियों से अवैध वसूली की जा रही है। इस संबंध में जिला पंचायत में शिकायत दर्ज कराई जा चुकी है कोलारस जनपद सीईओ दिनेश शाक्य ने बताया कि मामले की जांच के लिए तीन सदस्यीय दल गठित किया गया था जांच पूरी कर रिपोर्ट जिला पंचायत कार्यालय भेज दी गई है वहीं जिला पंचायत सीईओ विजय राज ने कहा कि जांच प्रतिवेदन प्राप्त हो चुका है जिसे देखकर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

डी-मार्ट का अतिक्रमण हटा, होंडा शोरूम की पार्किंग सील :बिलासपुर कलेक्टर-एसएसपी के निरीक्षण के बाद निगम ने की कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर,बिलासपुर (निप्र)। बिलासपुर नगर निगम और ट्रैफिक पुलिस ने बहतराई रोड पर अतिक्रमण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। गुरुवार दोपहर बहतराई रोड से साइंस कॉलेज रोड तक करीब चार घंटे चले अभियान में डीमार्ट की ओर से सड़क की 15 फुट जमीन पर लगाई गई लोहे की ग्रिल हटाई गई लक्ष्मी जेनेरिक और रेफ्रिजरेशन के बोर्ड और शेड भी हटाए गए इस कार्रवाई के दौरान होंडा शोरूम की पार्किंग को भी सील किया गया। सरकंडा में बार-बार जाम लगने की शिकायतों के बाद हाल ही में कलेक्टर संजय अग्रवाल और एसएसपी रजनेश सिंह ने मौके का निरीक्षण किया था उनके दौरे के बाद ही नगर निगम और ट्रैफिक पुलिस की टीम हरकत में आई। स्थानीय लोगों का कहना है कि जिन स्थानों से अतिक्रमण हटाया जाता है वहां कुछ समय बाद फिर से कब्जा हो जाता है निगम अमला दोबारा निगरानी नहीं करता जिसके कारण यह समस्या बनी रहती है जिन स्थानों पर कार्रवाई हुई वे लंबे समय से निगम नियमों का उल्लंघन कर रहे थे निगम के सब इंजीनियर जुगल सिंह ने बताया कि बहतराई रोड पर डी मार्ट के संचालक ने रोड की जमीन पर कब्जा कर 15 फुट तक ग्रिल लगा कर बाउंड्री बना ली थी जिसे हटा दिया गया। उन्होंने बताया कि डी मार्ट के बेजा कब्जा के चलते 80 फुट की रोड 50-60 तक सिमट गई उन्होंने बताया कि सीपत रोड पर होंडा शो रूम के सर्विस स्टेशन के ऊपर होटल और नीचे सर्विस स्टेशन है बिल्डिंग में बेसमेंट पार्किंग नक्शे में दर्शाई गई है लेकिन पार्किंग की जगह सर्विसिंग के लिए आई बाइक और ट्रेनिंग अन्य कार्यों के लिए कार्यालय का उपयोग किया जा रहा था जिसे निगम की टीम ने सील कर दिया इसी प्रकार साइंस कालेज के आगे ब्यूटी पार्लर के नीचे बेसमेंट पार्किंग में ताला लगाकर उसे गोदाम के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा था इसे सील कर दिया गया।

सीमित सीटों पर लॉटरी से होगा चयन

स्वामी आत्मानंद स्कूल मनेंद्रगढ़ में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी विद्यालय, मनेंद्रगढ़ में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। स्कूल शिक्षा विभाग के अंतर्गत संचालित इस विद्यालय में छात्रों को गुणवत्तापूर्ण अंग्रेजी माध्यम शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं इच्छुक अभ्यर्थी 10 अप्रैल 2026 से 5 मई 2026 तक ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से आवेदन कर सकते हैं वर्तमान में स्वामी आत्मानंद विद्यालय में विभिन्न कक्षाओं के लिए सीमित सीटें उपलब्ध हैं जिनमें से कक्षा 1वीं में 50 सीटें कक्षा 3, 4, और 5वीं में 1-1 सीट, कक्षा 7वीं में 2 सीटें और कक्षा 8वीं में 6 सीटें रिक्त हैं। इसके अतिरिक्त, कक्षा 11वीं में कॉमर्स, जीवविज्ञान और गणित तीनों संकायों के लिए 5-5 सीटें उपलब्ध कराई गई हैं। इन सभी कक्षाओं में बालक और बालिका दोनों के लिए प्रवेश की सुविधा उपलब्ध होगी। विद्यालय प्रबंधन ने यह स्पष्ट किया है कि यदि किसी कक्षा में रिक्त सीटों से अधिक आवेदन प्राप्त होते हैं तो लॉटरी प्रणाली के माध्यम से चयन प्रक्रिया पूरी की जाएगी। चयन की प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की पारदर्शिता सुनिश्चित की जाएगी और चयनित उम्मीदवारों की सूची जल्द ही जारी की जाएगी। अभ्यर्थी ऑनलाइन आवेदन के लिए निर्धारित पोर्टल [https/cgschool-in.saems](https//cgschool-in.saems) पर जा सकते हैं। आवेदन प्रक्रिया 10 अप्रैल से शुरू हो चुकी है और अंतिम तिथि 5 मई 2026 है। अभ्यर्थियों को समय सीमा के भीतर आवेदन प्रक्रिया पूरी करने की सलाह दी जाती है ताकि किसी प्रकार की परेशानी न हो आवेदन के साथ आवश्यक दस्तावेज़ भी प्रस्तुत करने होंगे यह पहल क्षेत्र के विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक अवसर प्रदान करने और उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है विद्यालय प्रबंधन ने अभिभावकों से अपील की है कि वे आवेदन प्रक्रिया को समय पर पूरा करें और किसी प्रकार की परेशानियों से बचने के लिए अंतिम तिथि से पहले आवेदन भरें। स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी विद्यालय, मनेंद्रगढ़, यह सुनिश्चित करने की दिशा में कार्य कर रहा है कि विद्यार्थियों को उच्च स्तरीय अंग्रेजी शिक्षा प्राप्त हो, जो उन्हें भविष्य में एक सशक्त और सफल नागरिक बनाने में सहायक सिद्ध हो।

मुख्यमंत्री समाधान योजना बनी सहारा, 77,930 का बिल घटकर हुआ आसान

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना-2026 का असर अब जमीनी स्तर पर साफ नजर आने लगा है। विकासखंड मनेन्द्रगढ़ के निवासी जोगिंदर केवट को इस योजना के तहत 50,734 की बड़ी छूट मिली है जिससे उनका लंबित बिजली बिल काफी कम हो गया है जोगिंदर केवट पर पहले कुल 77,930 का बिजली बिल बकाया था जो उनके लिए आर्थिक रूप से बड़ी परेशानी बन चुका था योजना के तहत मिली छूट के बाद अब उनका भुगतान आसान हो गया है जिससे उन्हें आर्थिक और मानसिक दोनों तरह से राहत मिली है। जोगिंदर केवट बताते हैं कि बढ़ते बिजली बिल के कारण वे लगातार तनाव में रहते थे इस योजना से बड़ी राहत मिली है अब हम आसानी से बिल चुका पाएंगे उन्होंने कहा। राज्य सरकार की इस योजना का उद्देश्य बकाया बिजली बिल से परेशान उपभोक्ताओं को राहत देना है। आंकड़ों के अनुसार इस योजना से प्रदेश के 28 लाख से अधिक उपभोक्ताओं को लाभ मिलने का अनुमान है। इस योजना के तहत कुल 757 करोड़ रुपये से अधिक की राशि माफ की जा रही है योजना का लाभ लेने के लिए उपभोक्ता मोर बिजली ऐप या नजदीकी बिजली वितरण केंद्र में पंजीयन कर सकते हैं। पंजीयन के समय कुल बकाया का केवल 10% जमा करना होता है जबकि शेष राशि आसान किस्तों में चुकाने की सुविधा दी गई है।

शिवपुरी में आउटसोर्स कर्मचारियों का प्रदर्शन

आधा वेतन मिलने के विरोध में कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन, पूरा भुगतान और सुविधाओं की मांग

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले में स्वास्थ्य विभाग के तहत कार्यरत लगभग 400 आउटसोर्स कर्मचारियों ने कम वेतन मिलने के विरोध में काम बंद कर दिया है कर्मचारियों ने शुक्रवार को अपनी मांगों को लेकर कलेक्टर को एक ज्ञापन सौंपा उनका आरोप है कि उन्हें शासन द्वारा निर्धारित वेतन का आधा ही भुगतान किया जा रहा है आउटसोर्स कर्मचारी भानु धाकड़ और पूजा बुनकर ने बताया कि वे 15 नवंबर 2025 से उप स्वास्थ्य केंद्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और जिला अस्पताल में सेवाएं दे रहे हैं उन्हें प्रति माह केवल 7,000 रुपए वेतन दिया जा रहा है, जबकि शासन द्वारा कंपनी को 475 रुपए प्रतिदिन के हिसाब से लगभग 14,250 रुपए प्रतिमाह का भुगतान किया जा रहा है। कर्मचारियों ने यह भी बताया कि अन्य जिलों में आउटसोर्स कर्मचारियों को पूरा वेतन मिल रहा है लेकिन शिवपुरी में उनके साथ भेदभाव किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त उन्हें पीएफ (भविष्य निधि) और ईएसआई (कर्मचारी राज्य बीमा) जैसी आवश्यक सुविधाएं भी नहीं दी जा रही हैं जिससे उन्हें आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। कर्मचारियों का आरोप है कि भर्ती के बाद पहले चार महीने का वेतन भी 7,000 रुपए प्रतिमाह के हिसाब से ही दिया गया था जबकि उन्हें 14,250 रुपए मिलना चाहिए था इन सभी मुद्दों को लेकर सभी कर्मचारी जिला मुख्यालय पहुंचे और काम बंद कर हड़ताल करते हुए कलेक्टर से पूर्ण वेतन दिलाने की मांग की मामले में जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजय ऋषेश्वर ने कहा कि विभाग द्वारा आउटसोर्स कंपनी को पूरा भुगतान किया जा चुका है।

सिकंदरा चेक पोस्ट पर महिला टीएसआई से मारपीट

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। दिनारा थाना क्षेत्र में एनएच-27 स्थित सिकंदरा परिवहन चेक पोस्ट पर बुधवार देर रात एक गंभीर वारदात हुई। बदमाशों ने चेक पोस्ट प्रभारी महिला ट्रैफिक सब इंस्पेक्टर के कमरे में घुसकर उनके साथ अभद्रता और बेल्टों से मारपीट की। आरोपियों ने कमरे से 12 हजार रुपए नकद, पीओएस मशीन और सीसीटीवी कैमरों का डीवीआर भी लूट लिया पीड़ित महिला टीएसआई ने बताया कि यह घटना बुधवार रात करीब 12 बजे हुई जब वह अपने कार्यालय के पास बने कमरे में थीं। कुछ बदमाश वहां पहुंचे और गाली-गलौज करते हुए अभद्रता करने लगे जब उन्होंने विरोध किया तो बदमाशों ने बेल्टों से उन पर हमला कर दिया बीच-बचाव करने आए स्टाफ सदस्यों के साथ भी मारपीट की गई। जाते समय उन्होंने कमरे में रखी टीवी भी तोड़ दी महिला अधिकारी के अनुसार घटना की सूचना तत्काल पुलिस को दी गई थी। हालांकि पुलिस समय पर मौके पर नहीं पहुंची जबकि थाना और चेक पोस्ट के बीच की दूरी मात्र दो किलोमीटर है।

आईटीआई के सामने खुली शराब दुकान

नियमों की अनदेखी पर आबकारी विभाग का नोटिस, 10 दिन में दुकान हटाने के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शहर के महल सराय क्षेत्र में एक शराब दुकान को लेकर विवाद उत्पन्न हो गया है ठेकेदार पर आरोप है कि उसने दुकान को निर्धारित परिक्षेत्र से बाहर आईटीआई परिसर के सामने खोल दिया है इस मामले में आबकारी विभाग ने ठेकेदार को नोटिस जारी कर 10 दिन के भीतर दुकान हटाने के निर्देश दिए हैं। स्थानीय निवासियों ने आबकारी विभाग में शिकायत दर्ज कराई थी कि दुकान गलत स्थान पर संचालित की जा रही है शिकायतकर्ताओं के अनुसार, नियमानुसार यह दुकान किसी अन्य चिन्हित स्थान पर खोली जानी थी लेकिन ठेकेदार ने नियमों की अनदेखी कर इसे वर्तमान जगह पर स्थापित कर दिया इस मामले की गंभीरता इसलिए भी बढ़ गई है क्योंकि शराब दुकान के समीप ही आईटीआई, बीटीआई और एसबीआई ट्रेनिंग सेंटर स्थित हैं इन संस्थानों में प्रतिदिन सैकड़ों छात्र-छात्राएं आते-जाते हैं क्षेत्रवासियों ने इस स्थान पर दुकान खोले जाने का पहले भी विरोध किया था। वृत्त प्रभारी तीर्थराज भारद्वाज ने बताया कि शिकायत मिलने के बाद स्थल का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में नियमों का उल्लंघन पाया गया जिसके बाद ठेकेदार को नोटिस जारी किया गया है उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि निर्धारित समय-सीमा में दुकान नहीं हटाई जाती है तो विभाग नियमानुसार आगे की कार्रवाई करेगा।

चैनपुर में प्रीमियम विदेशी मदिरा दुकान निर्माण को मिली मंजूरी,15.20 लाख रुपये स्वीकृत

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में आधारभूत संरचनाओं को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए कलेक्टर एवं जिला प्रबंधक, सीएसएमसीएल द्वारा ग्राम पंचायत चैनपुर में नवीन प्रीमियम विदेशी मदिरा दुकान के निर्माण को प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। यह निर्णय छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड, रायपुर के निर्देशों के अनुरूप लिया गया है जारी आदेश के अनुसार इस निर्माण कार्य के लिए कुल 15.20 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है यह स्वीकृति तकनीकी प्राक्कलन क्रमांक 565, दिनांक 27 जनवरी 2026 के आधार पर दी गई है जिससे निर्माण कार्य निर्धारित गुणवत्ता और मानकों के अनुसार पूरा किया जा सके। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यह स्वीकृति विभिन्न शर्तों के अधीन होगी निर्माण एजेंसी को यह सुनिश्चित करना होगा कि उक्त कार्य किसी अन्य योजना में शामिल न हो यदि कार्य किसी अन्य योजना के तहत स्वीकृत या निर्मित पाया जाता है तो यह स्वीकृति स्वत: निरस्त मानी जाएगी। निर्माण कार्य तकनीकी स्वीकृति प्राप्त होने के बाद ही प्रारंभ किया जाएगा तथा स्वीकृत राशि का पृथक लेखा-जोखा रखा जाएगा कार्य निर्धारित प्राक्कलन और मापदंडों के अनुरूप ही किया जाएगा। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि यदि निर्माण कार्य में किसी प्रकार की अनियमितता या गुणवत्ता में कमी पाई जाती है तो पूरी लागत संबंधित एजेंसी से भू-राजस्व की तरह वसूल की जाएगी साथ ही निर्माण एजेंसी को अगले पांच वर्षों तक रखरखाव और मरम्मत की जिम्मेदारी भी निभानी होगी।

धोवाताल बना आत्मनिर्भर मॉडल गांव, महिलाओं ने बदली गांव की तस्वीर

गौठान से मिला रोजगार, पलायन पर लगी रोक

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। वनांचल क्षेत्र का छोटा सा गांव धोवाताल आज आत्मनिर्भरता और सामूहिक प्रयास की एक प्रेरणादायक मिसाल बनकर उभरा है करीब 150 घरों और 510 की आबादी वाले इस गांव में महिलाओं ने गौठान को आजीविका का केंद्र बनाकर न केवल अपनी किस्मत बदली है बल्कि पूरे गांव की आर्थिक स्थिति को मजबूत कर दिया है जहां कई स्थानों पर गौठान योजनाएं निष्क्रिय पड़ी हैं वहीं धोवाताल की 60 महिलाओं ने इसे किराए पर लेकर रोजगार का सशक्त माध्यम बना दिया है स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं ने संगठित होकर विभिन्न व्यवसाय शुरू किए और आज वे आत्मनिर्भरता की नई मिसाल पेश कर रही हैं गांव में पांच महिला समूह अलग-अलग गतिविधियों में संलग्न हैं बजरंगबली समूह बकरी पालन, सिद्धबाबा समूह मुर्गी पालन, महिला सशक्तिकरण समूह किराना दुकान, सीता महिला समूह बहुआयामी आजीविका जैसे सुअर, बटेर और मछली पालन जबकि दुर्गा महिला समूह किराना व मनिहारी दुकान का संचालन कर रहा है इन सभी समूहों का एक ही लक्ष्य है-आत्मनिर्भर गांव का निर्माण। महिलाओं को क्लस्टर स्तर से मिली 60-60 हजार रुपये की सहायता राशि को उन्होंने खर्च करने के बजाय व्यवसाय में निवेश किया आज उनके उत्पाद स्थानीय हाट-बाजारों के साथ-साथ मध्यप्रदेश तक पहुंच रहे हैं जिससे उनकी आय में लगातार वृद्धि हो रही है। इस पहल का सबसे सकारात्मक असर पलायन रुकने के रूप में सामने आया है पहले जहां गांव के युवा रोजगार की तलाश में रायपुर, गुजरात और मेरठ जैसे शहरों की ओर जाते थे अब उन्हें गांव में ही काम मिल रहा है इससे उनकी आय के साथ-साथ जीवन में संतुष्टि भी बढ़ी है। महिलाओं का कहना है कि राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन से मिली प्रेरणा और सहयोग ने उन्हें आगे बढ़ने का रास्ता दिखाया आज वे पशुपालन और दुकान संचालन के जरिए नियमित आय अर्जित कर रही हैं और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रही हैं। ग्राम सरपंच गोकुल प्रसाद परस्ते और जनपद भरतपुर के अधिकारियों ने धोवाताल के इस मॉडल की सराहना करते हुए इसे अन्य गांवों के लिए प्रेरणादायक बताया है ।

ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलटा, किसान की मौत नरसिंहपुर में गन्ने के खेत में जुताई के दौरान हुआ हादसा

मीडिया ऑडीटर, नरसिंहपुर (निप्र)। नरसिंहपुर के ठेमी थाना क्षेत्र के ग्राम झामर में शुक्रवार सुबह एक किसान की ट्रैक्टर पलटने से मौत हो गई। दरअसल, वे अपने खेत में गन्ने की जुताई कर रहा था। मृतक की पहचान शिवकुमार लोधी (37), पिता हिम्मत सिंह लोधी के रूप में हुई है।

जुताई के दौरान अचानक पलटा ट्रैक्टर: मृतक के चचेरे भाई टीकाराम लोधी ने बताया कि शिवकुमार अपने खेत में गन्ने की जुताई कर रहे थे। जुताई के दौरान अचानक ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गया। इस हादसे में शिवकुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। परिजनों ने उन्हें तुरंत जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर अस्पताल चौकी पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पोस्टमार्टम कराया। मामले की रिपोर्ट संबंधित थाने को भेज दी गई है।

खेत में फांसी के फंदे पर लटका मिला इंजीनियर

मीडिया ऑडीटर, खरगोन (निप्र)। शहर के डाबरिया फालिया क्षेत्र में गुरुवार सुबह करीब 7 बजे खेत में पेड़ पर इंजीनियर का शव फांसी के फंदे पर मिला। मृतक की पहचान 45 वर्षीय भूपेंद्र पिता बाबू सिंह मंडलोई निवासी सांई सिटी कॉलोनी के रूप में हुई। पुलिस ने बताया सुबह एफआरवी वाहन को सूचना मिलने के बाद टीम मौके पर पहुंची। प्रारंभिक जांच में हादसे के सही कारण का खुलासा नहीं हो पाया है। परिजनों के बयान व आगे की जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कानूनी कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल पहुंचा। बताया जा रहा है कि भूपेंद्र पिछले चार-पांच साल से नौकरी पर नहीं जा रहा था। पुलिस के अनुसार वह शराब का भी आदी था। परिजन इस घटना से सदमे में हैं। मामले की जांच की जा रही है।

खंडवा में 40 लोगों से भरी आयशर पलटी, 25 घायल ओवरटेक के दौरान रोड़ से उतरी

मामेरा लेकर गया था परिवार

मीडिया ऑडीटर, खंडवा (निप्र)। खंडवा में शुक्रवार दोपहर के समय मूंदी-सनावद हाईवे पर एक बड़ा हादसा गया। 40 लोगों से भरी आयशर गाड़ी पलटने से करीब 25 लोग घायल हो गए हैं। जिन्हें सनावद अस्पताल भेजा गया हैं। सभी लोग एक शादी समारोह में मामेरा लेकर गए थे। लौटते वक्त कार्यक्रम स्थल वाले गांव से बाहर निकले ही थे कि ओवरटेक के दौरान आयशर गाड़ी रोड़ किनारे उतरकर पलटी खा गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, सभी लोग गुर्जर समाज के हैं। ग्राम तलवड़िया (अत्तर) से माहेला लेकर ग्राम ठुकरा देवला गए थे। शादी समारोह के बाद सभी लोग आयशर वाहन में सवार होकर वापसी कर रहे थे। इसी दौरान ग्राम डूडगांव में हादसा हो गया। घायलों को सनावद और वहां से गंभीर घायलों को खंडवा जिला अस्पताल रेफर किया गया हैं।

दुष्कर्म में बेटे का साथ दिया, दंपती गिरफ्तार: पॉक्सो एक्ट में दर्ज हुआ था केस 4 साल से थे

फरार, रेपिस्ट बेटा जेल में काट रहा सजा

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम पुलिस ने नाबालिग से हुए रेप और पॉक्सो एक्ट केस में 4 साल से फरार दंपत्ति को गिरफ्तार किया। आरोपी पति-पत्नी जबलपुर में नर्मदा घाट किनारे रह रहे थे। सरस्वती घाट से पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर नर्मदापुरम लाया। केस में मुख्य आरोपी गणेश मेहरा दंपत्ति का बेटा है। मामले में पति-पत्नी सहआरोपी हैं। उनके बेटे गणेश मेहरा को अपराध में सजा हो चुकी है और वह जेल में है।

2022 में नाबालिग का किया था अपहरण: पुलिस के मुताबिक वर्ष 2022 में एक नाबालिग लड़की को गणेश मेहरा ने बहला-फुसलाकर अगवा कर लिया था। लालच देकर पीड़िता के साथ गलत हरकत की गई। एसआई विशाल नागवे ने बताया कि वारदात के कुछ दिन बाद पीड़िता को आरोपी के घर से छुड़ाया गया था। उसके बयान के आधार पर आरोपी गणेश मेहरा के खिलाफ धारा 366, 376, 376(2)(ठ) आईपीसी और 4/6 पॉक्सो एक्ट में मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

आरोपी के माता-पिता भी बनाए गए थे सहआरोपी: पीड़िता के बयान पर आरोपी के पिता अशोक मेहरा और मां सरोज मेहरा को भी सहआरोपी बनाया गया था। दोनों पिछले 4 साल से फरार चल रहे थे। इन आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए एसपी सांई कृष्णा एस थोटा द्वारा इनाम की घोषणा भी की गई थी।

मुखबिर की सूचना पर हुई गिरफ्तारी: पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर दोनों आरोपियों अशोक मेहरा और सरोज मेहरा को जबलपुर के सरस्वती घाट से गिरफ्तार किया। कार्रवाई के दौरान उपनिरीक्षक

छतरपुर में पत्नी ने रची पति की हत्या की साजिश 4 आरोपी गिरफ्तार चादर और तार से गला घोंटा फिर फंदे पर लटकाया

मीडिया ऑडीटर,छतरपुर (निप्र)। छतरपुर जिले के बड़ामलहरा थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति की संदिग्ध मौत का मामला हत्या निकला है। पुलिस ने इस मामले में मृतक की पत्नी सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि एक नाबालिग बालिका को अभिरक्षा में लेकर किशोर न्यायालय में पेश किया गया है। प्रारंभिक जांच में यह मामला आत्महत्या जैसा प्रतीत हो रहा था।

28 मार्च को मिली थी मौत की सूचना: पुलिस के अनुसार, 28 मार्च 2026 को ग्राम सिंग्रामपुरा निवासी रानी उपाध्याय ने अपने पति संतोष उपाध्याय की मौत की सूचना दी थी। बड़ामलहरा थाने में मर्ग क्रमांक 14/26, धारा 194 बीएनएसएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान मृतक की गर्दन पर संदिग्ध लिगेचर मार्क पाए गए। मृतक के भाई रामबाबू उपाध्याय और पुत्री शालू उपाध्याय ने भी मौत को संदिग्ध बताते हुए संदेह जताया था। इसके बाद पुलिस ने मृतक की पत्नी से गहन पूछताछ की।

पत्नी ने कबूला जुर्म: पूछताछ में रानी उपाध्याय ने स्वीकार किया कि पति द्वारा आए दिन झगड़ा और मारपीट किए जाने से वह परेशान थी। इसी कारण उसने दीपक शुक्ला, विक्की ठाकुर और एक नाबालिग बालिका के साथ मिलकर हत्या की योजना बनाई।

चादर और तार से की हत्या: योजना के तहत आरोपियों ने संतोष उपाध्याय का चादर से मुंह दबाया और टीवी के तार से गला घोंटकर हत्या कर दी। इसके बाद शव को फांसी पर लटका दिया गया, ताकि मामला आत्महत्या जैसा लगे। जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी दीपक शुक्ला और विक्की ठाकुर का रानी उपाध्याय के घर आना-जाना था, जिससे उनके बीच गलत संबंधों की आशंका थी। मृतक इस बात का विरोध करता था, जिसके कारण पति-पत्नी के बीच अक्सर विवाद होता था। इसी वजह से हत्या की साजिश रची गई।

पुलिस ने गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया: पुलिस ने अपराध क्रमांक 90/26 धारा 103(1), 238(ए) एवं 3(5) बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज कर आरोपी रानी उपाध्याय (37 वर्ष), दीपक शुक्ला पिता महेश शुक्ला निवासी ग्राम भरवानी टपरियन हाल वार्ड क्रमांक 15 बड़ामलहरा तथा विक्की उर्फ विक्रम सिंह पिता उत्तम सिंह परमार निवासी ग्राम लखनवां हाल वार्ड क्रमांक 15 बड़ामलहरा को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया।

खंडवा केंद्रीय विद्यालय के सामने डंपर और पिकअप की टक्कर पिकअप का अगला हिस्सा पिचका, ड्राइवर मुश्किल से निकला

मीडिया ऑडीटर, खंडवा (निप्र)। खंडवा में हरसूद नाका स्थित केंद्रीय विद्यालय के पास शुक्रवार सुबह एक भीषण हादसा हो गया। बालू रेत से भरे डंपर ने पिकअप वाहन को टक्कर मार दी। एक्सीडेंट इतना भयावह था कि पिकअप वाहन का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त होकर पिचक गया। गनीमत रही कि अंदर बैठे ड्राइवर को गंभीर चोटें नहीं आईं। हादसे के बाद ड्राइवर को काफी मशक्कत के बाद बाहर निकाला गया।

अनियंत्रित डंपर बना हादसे की वजह: प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, हादसे की वजह बालू रेत से भरे डंपर का अनियंत्रित होना बताया जा रहा है। डेयरी प्रोडक्ट से भरा पिकअप वाहन खंडवा से हरसूद की ओर जा रहा था। इसी दौरान मोड़ और ढलान के कारण दोनों वाहन आमने-सामने टकरा गए।

एक्सीडेंट के बाद मौके पर आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई। डंपर चालक को भी चोटें आई हैं। पिकअप वाहन के ड्राइवर को लोगों ने इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजा।

प्रत्यक्षदर्शी ने बताया पूरा घटनाक्रम: प्रत्यक्षदर्शी अजय ठाकुर, निवासी नाहल्दा, ने बताया कि वह गांव से खंडवा आ रहे थे, तभी उनके सामने यह हादसा हुआ। रेत का डंपर केंद्रीय विद्यालय की ओर चढ़ाई कर रहा था, जबकि पिकअप वाहन हरसूद नाका की ओर उतर रहा था। इसी दौरान दोनों के बीच टक्कर हो गई। घटना की सूचना पुलिस और एंबुलेंस को दी गई। करीब आधे घंटे बाद पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। प्रत्यक्षदर्शी अजय ठाकुर निवासी नाहल्दा ने बताया कि वह गांव से खंडवा आ रहे थे, तभी उनके सामने यह एक्सीडेंट हुआ। रेत का डंपर केंद्रीय विद्यालय की तरफ चढ़ाई कर रहा था, वह पिकअप वाहन हरसूद नाके की ओर उतर रहा था, तभी दोनों के बीच भिड़ंत हो गई। घटना की पुलिस और एंबुलेंस को दी गई। करीब आधे घंटे बाद पुलिस पहुंची और घायलों को अस्पताल ले गई।

गाली देने से मना करने पर युवक को मारा चाकू

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर के सिविल लाइन थाना क्षेत्र में गन्ने का ठेला लगाने की बात को लेकर विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ा कि बदमाशों ने ठेले वाले पर चाकुओं से हमला कर दिया। चाकू लगने से युवक गंभीर घायल हुआ है। जिसे बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। मामले की शिकायत पर पुलिस ने जांच में लिया है। जानकारी के अनुसार, अनिल अहिरवार निवासी 10वीं बटालियन मकरोनिया कैंट शॉपिंग मॉल के पास गन्ने के रस का हाथठेला लगाता है। गर्मी का मौसम शुरू होते ही अनिल ने ठेला लगाना शुरू कर दिया है। लेकिन कुछ युवक उसे वहां गन्ने का ठेला नहीं लगाने दे रहे थे। वे लोग पिछले करीब 2 माह से

परेशान कर रहे थे। इसी बात को लेकर विवाद बढ़ गया। घायल अनिल अहिरवार ने बताया कि शाम करीब 5 बजे वह गन्ने के जूस का ठेला लगाकर कैंट मॉल के पास खड़ा था। तभी ऋषि अपने साथियों के साथ आया। गालीगलौज शुरू कर दी। गालियां देने से मना किया तो उन्होंने चाकू से हमला कर दिया। चाकूबाजी में पेट और पीठ पर गंभीर घाव लगे हैं। घटना देख आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और बीचबचाव कर मामला शांत कराया।

सीहोर में एक के बाद एक पांच कारें जलकर राख कबाड़ में खड़ी गाड़ियों में लगी आग, दमकल ने पाया काबू

मीडिया ऑडीटर,सीहोर (निप्र)। सीहोर शहर के गंगा आश्रम क्षेत्र स्थित पलटन एरिया में आज सुबह भीषण आग लग गई। इस घटना में एक खड़ी पांच गाड़ियां जलकर राख हो गई। आग से लाखों रुपये का नुकसान होने का अनुमान है, हालांकि आग लगने के कारणों का अभी तक खुलासा नहीं हो पाया है।

जानकारी के अनुसार, यह आग सुबह करीब 4:30 बजे जुबेर के घर के पास लगी। यहां पुरानी गाड़ियां इकट्ठा करके रखी गई थीं। आग इतनी भीषण थी कि पांच गाड़ियां पूरी तरह जल गईं। स्थानीय लोगों ने आशंका जताई कि यदि इन गाड़ियों में ईंधन होता तो बड़ा हादसा हो सकता था।

दमकल ने आग पर पाया काबू: सुबह जैसे ही कुछ लोगों ने आग की लपटें उठते देखीं, उन्होंने तत्काल फायर ब्रिगेड को सूचना दी। दमकल टीम समय पर मौके पर पहुंची और फायर ब्रिगेड वाहन के माध्यम से पानी की बौछार कर आग पर काबू पाया।

पुलिस और प्रशासन आग लगने के कारणों की जांच कर रहे हैं। प्रारंभिक जांच में आग लगने की वजह स्पष्ट नहीं हो पाई है। इस घटना से लाखों रुपये का नुकसान हुआ है।

घनी आबादी वाले क्षेत्र में बना रखा है गोदाम: पलटन क्षेत्र में कबाड़ी के यहां खड़ी पुरानी गाड़ियों में आग लगने की घटना ने एक बार फिर घनी आबादी वाले इलाकों में सुरक्षा व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े कर दिए हैं। जानकारी के अनुसार कबाड़ी द्वारा बड़ी संख्या में पुरानी और जर्जर गाड़ियां एकत्रित कर रखी गई थीं, जिनमें अचानक आग लग गई।

कबाड़खाने को हटाने की मांग: स्थानीय लोगों का कहना है कि इस तरह घनी बस्ती में बड़ी मात्रा में कबाड़ और वाहन जमा करना बेहद खतरनाक है। यदि समय रहते इस पर कार्रवाई नहीं की गई, तो भविष्य में किसी बड़ी दुर्घटना से इनकार नहीं किया जा सकता। निवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि ऐसे कबाड़ी स्थलों की जांच की जाए और आबादी वाले क्षेत्रों से इन्हें हटाया जाए, ताकि लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

रायसेन में अधूरी तैयारियों के बीच गेहूं खरीदी शुरू केंद्रों पर बारदाने का टोटा स्लॉट बुकिंग में भी दिक्कत, किसान परेशान

मीडिया ऑडीटर,रायसेन (निप्र)। रायसेन जिले में 9 अप्रैल से सरकारी गेहूं खरीदी शुरू की गई, लेकिन कई केंद्रों पर बुनियादी व्यवस्थाओं की कमी के कारण किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहां पर्याप्त बारदाना, किसानों के बैठने की व्यवस्था और फसल को धूप से बचाने के लिए छाया का अभाव दिखा। तौल कांटे मौजूद थे, लेकिन खरीदी के लिए अन्य आवश्यक संसाधनों की कमी थी। किसानों के अनुसार, उन्होंने पहले ही स्लॉट बुक करा लिए थे और उन्हें 10 अप्रैल की तारीख मिली थी। हालांकि, केंद्रों पर अव्यवस्था के कारण वे असमंजस में हैं। तेज गर्मी में खुले आसमान के नीचे इंतजार करना उनके लिए चुनौतीपूर्ण है। कई केंद्रों पर बारदाने की कमी और स्लॉट बुकिंग में भी दिक्कतें आ रही हैं। जिले के कई खरीदी केंद्रों के बाहर हजारों क्विंटल गेहूं खुले में पड़ा है, जिससे किसान अपनी उपज की रखवाली करने को मजबूर हैं। उन्हें अगली फसल की तैयारी और वर्तमान उपज की सुरक्षा के बीच निर्णय लेने में कठिनाई हो रही है। गल्ला मंडियों में उचित दाम न मिलने के कारण किसान सरकारी खरीदी पर निर्भर हैं। अधिकारियों ने खरीदी में देरी का कारण अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों से बारदाने की आपूर्ति का प्रभावित होना बताया है। जिला विपणन अधिकारी राजू कातुलकर ने जानकारी दी कि व्यवस्थाएं तेजी से पूरी की जा रही हैं और जल्द ही सभी केंद्रों पर खरीदी सुचारू रूप से शुरू हो जाएगी।

इटारसी में आबकारी कार्यालय में चोरी चोरों ने ताला तोड़कर 55 हजार की शराब चुराई

मीडिया ऑडीटर, इटारसी (निप्र)। इटारसी में आबकारी विभाग के वृत्त कार्यालय में चोरी का मामला सामने आया है। 30 और 31 मार्च की दरमियानी रात अज्ञात चोरों ने कार्यालय का ताला तोड़कर अंदर रखी शराब चुरा ली। चोरी हुई शराब की कीमत लगभग 55 हजार रुपए बताई जा रही है। इस घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने 9 अप्रैल को इटारसी थाने में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। आबकारी उपनिरीक्षक हेमंत चौकसे ने बताया कि आबकारी वृत्त कार्यालय से विभिन्न प्रॉपर्टी नंबरों का मुद्देमाल चोरी हुआ है। इसमें 24 केन विदेशी बीयर, ऑफिसर्स चॉइस व्हिस्की की 5 बोतल, 60 पाव देशी मदिरा

प्लेन, 7 पाव रॉयल स्ट्रेंज व्हिस्की, 5 पाव रॉयल चैलेंज, 31 पाव 8 पीएम, 27 पाव सेंट्रल प्रोविजन, 16 पाव वीपी व्हिस्की, 15 पाव देशी मदिरा प्लेन, 40 पाव बैकपाइपर व्हिस्की और 100 पाव देशी मदिरा प्लेन सहित अन्य शराब शामिल है। चोरी की यह घटना आबकारी वृत्त कार्यालय शहर इटारसी से करीब 1 किलोमीटर पश्चिम में हुई। पुलिस आसपास के क्षेत्र के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और अज्ञात चोरों की तलाश जारी है। पुलिस ने विश्वास जताया है कि आरोपियों को जल्द ही पकड़ लिया जाएगा।

बोलेरो ने तीन युवकों को रौंदा, एक की मौके पर मौत, दो घायल बंडा नगर के समीप उपजेल के सामने तेज रफ्तार बोलेरो गाड़ी की टक्कर में एक युवक की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार घटना बंडा-बरा मार्ग पर रात 8 बजे की बताई जा रही है। जहां बोलेरो चालक तेज गति से गाड़ी चलाते हुए बरा की ओर जा रहा था, तभी संतुलन बिगड़ने से सड़क किनारे पैदल जा रहे तीन युवकों को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि तीनों युवक उछलकर दूर जा गिरे। जिसमें देवपुरा निवासी रमेश 30 पिता काशीराम प्रजापति की घटना स्थल पर ही मौत हो गई और दो अन्य गंभीर घायल हो गए। मृतक बमाना गांव का रहने वाला बताया जा रहा है और परिवार का इकलौता चिराग था। उसके दो बच्चे भी हैं।

यक्ति ने जहरीला पदार्थ खाया:परिजन बोले- कर्ज में था मंदसौर जिला अस्पताल में भर्ती, हालत गंभीर

मीडिया ऑडीटर,मंदसौर (निप्र)। मंदसौर जिले के सुवासरा क्षेत्र के धाकड़खेड़ी थाना अंतर्गत ग्राम निवासी 50 वर्षीय उदयलाल पिता भंवरलाल धाकड़ द्वारा गुरुवार रात जहरीले पदार्थ का सेवन करने का मामला सामने आया है। घटना के बाद परिजनों में हड़कंप मच गया और तत्काल उन्हें उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। जानकारी के अनुसार, उदयलाल को पहले परिजन सुवासरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे, हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उन्हें मंदसौर जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया जहां इलाज जारी है।

2 से 3 लाख रुपए का था कर्ज: उदयलाल के साले बाला शंकर ने बताया कि उन पर लगभग 2 से 3 लाख रुपये का कर्ज है, संभवतः इसी आर्थिक दबाव के चलते उन्होंने यह कदम उठाया होगा। वहीं, उदयलाल के भाई बालाशंकर

धाकड़ ने बताया कि उन्हें फोन के माध्यम से सूचना मिली कि उनके भाई ने जहर खा लिया है। सूचना मिलते ही वे गांव पहुंचे और उदयलाल को तत्काल सीतामऊ अस्पताल लेकर गए, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें मंदसौर रेफर किया गया। परिजनों का कहना है कि उदयलाल पर कर्ज जरूर था, लेकिन उन्होंने यह कदम क्यों उठाया, इसकी स्पष्ट जानकारी फिलहाल किसी को नहीं है।

ला लीगा- खिलाड़ी फैंस को जीत का तोहफा देना चाहते हैं, कोच आर्बेलोआ ने रियल मैड्रिड का किया समर्थन

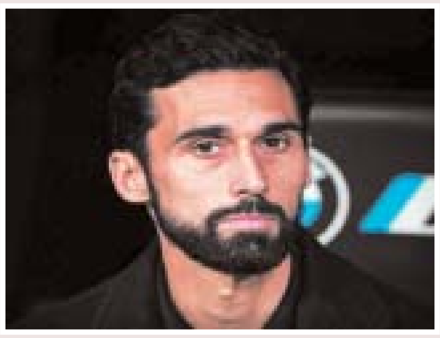

मैड्रिड, एजेंसी। रियल मैड्रिड के हेड कोच अल्वारो आर्बेलोआ ने शुक्रवार को गिरोना के खिलाफ ला लीगा मुकाबले से पहले अपने खिलाड़ियों का बचाव किया और लगातार अच्छा प्रदर्शन करने के महत्व पर जोर दिया। मैड्रिड इस मैच में चैंपियंस लीग में बायर्न म्यूनिख और लीग में मैलोर्का के खिलाफ लगातार 2-1 से हार के बाद उतरेगी। दो हार की वजह से रियल मैड्रिड अब बार्सिलोना से सात अंक पीछे हो गई है। टीम को अभी 8 मुकाबले और खेलने हैं। एक और हार का उनके खिताब जीतने की संभावनाओं पर क्या असर पड़ेगा, इस बारे में पूछे जाने पर आर्बेलोआ ने कहा, खिलाड़ी जानते हैं कि हर मैच बहुत अहम है और गलती की गुंजाइश बहुत कम है। अगले हफ्ते एक अहम यूरोपीय मुकाबला होने के बावजूद कोच ने जोर देकर कहा कि उनकी टीम का पूरा ध्यान अभी के मुकाबले पर है। शिन्हुआ के हवाले से उन्होंने कहा, खिलाड़ी सबसे पहले खेलना चाहते हैं, क्योंकि वे जानते हैं कि मंगलवार का नतीजा वैसा नहीं था जैसा हमने सोचा था। मैंने उनमें से ज्यादातर खिलाड़ियों से बात की है और वे खेलना चाहते हैं और फैंस को जीत तोहफे में देना चाहते हैं। आर्बेलोआ ने उन बातों को भी खारिज कर दिया कि उनकी टीम में लगन की कमी है। उन्होंने आगे कहा, जिंदगी में अच्छा रवैया और लगन होना बहुत जरूरी है। यह सभी खिलाड़ी दुनिया के सबसे बेहतरीन खिलाड़ी हैं, लेकिन अगर हमें लगातार अच्छा प्रदर्शन करना है, तो सिर्फ हुनर ही काफी नहीं है। कोच ने मिडफील्डर एडुआर्डो कैमाविंगा का समर्थन किया, जिनके हाल के प्रदर्शन के बाद उन पर सवाल उठ रहे थे। आर्बेलोआ ने कहा, उन्होंने मेरे अंडर बहुत खेला है और कल वे शुरुआती टीम में होंगे। वे क्लब के लिए एक अहम खिलाड़ी हैं, और उन्होंने अपनी काबिलियत साबित की है। क्लब में कोच समेत हर किसी को उन पर पूरा भरोसा है। आर्बेलोआ ने टीम में बदलाव की पुष्टि की, जिसमें जूड बेलिंगहैम और एडेर मिलिटाओ की वापसी तय है। हालांकि, मांसपेशियों में चोट के कारण फेरलैंड मेंडी अभी भी बाहर रहेंगे। वहीं, गिरोना विल्लारियल पर जीत दर्ज करके आ रही है, लेकिन उनके टॉप स्कोरर व्लादिस्लाव वनात इस मैच में नहीं खेल पाएंगे, क्योंकि हैमस्ट्रिंग में चोट के कारण वे बाकी सीजन के लिए बाहर हो गए हैं। खिताब की दौड़ अब एक अहम मोड़ पर पहुंच गई है, ऐसे में रियल मैड्रिड वापसी करने और अपनी उम्मीदें जिंदा रखने की **कोशिश करेगी।**

हॉकी इंडिया का बड़ा निर्णय, टिम व्हाइट को जूनियर महिला टीम का कोच बनाया

नई दिल्ली, एजेंसी। हॉकी इंडिया ने शुकवार को टिम व्हाइट को जूनियर महिला टीम का कोच बनाने की घोषणा की। ऑस्ट्रेलियाई हाई-परफॉर्मेंस कोच व्हाइट ने हाल ही में जनवरी में हॉकी इंडिया लीग में अकॉर्ड तमिलनाडु ड्रैगन्स के हेड कोच के तौर पर काम किया था। वह भारत महिला हॉकी की अगली पीढ़ी को तैयार करने के लिए मुख्य कोच की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने इस नियुक्ति का स्वागत करते हुए कहा, हम टिम व्हाइट को टीम में शामिल करके बहुत खुश हैं। बेल्जियम और ऑस्ट्रेलियाई जूनियर कार्युकम के साथ उनका पुराना रिकॉर्ड अपने आप में बहुत कुछ कहता है, खासकर जूनियर विश्व कप में टीमों को पोडियम फिनिश तक ले जाने में उनकी सफलता। हमारा मानना ??है कि हाई-परफॉर्मेंस कोचिंग और एथलीट विकास में उनका बहुत बड़ा अनुभव हमारी जूनियर महिलाओं को सीनियर अंतरराष्ट्रीय हॉकी की चुनौतियों के लिए तैयार करने में बहुत जरूरी होगा। हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा, टिम की नियुक्ति हमारी जूनियर टीमों को विश्व स्तरीय कोचिंग देने के हमारे लक्ष्य से मेल खाती है। जूनियर से सीनियर हॉकी में बदलाव एक अहम दौर है, और हमें विश्वास है कि टिम के निर्देशन में हमारे युवा एथलीट सबसे ऊंचे लेवल पर अच्छा प्रदर्शन करने के लिए जरूरी तकनीकी परिपक्वता हासिल करेंगे। व्हाइट ने अपनी नियुक्ति पर कहा, हाल ही में तमिलनाडु ड्रैगन्स के कोच के तौर पर इंडिया में समय बिताने के बाद, मैं देश के जबरदस्त पैशन और समृद्ध हॉकी संस्कृति से वापस आया। मैंने जूनियर वर्ल्ड कप में इंडिया के खिलाफ कोचिंग करते हुए यहां बहुत सारी युवा प्रतिभाएं देखीं। ऐसे एथलीट्स के साथ फुल-टाइम काम करने का मौका मिलना एक विशेषाधिकार की तरह है। मेरा लक्ष्य तकनीकी रूप से मजबूत खिलाड़ियों को तैयार करना है जो गैप को भरने और सीनियर टीम में जगह बनाने के लिए तैयार हों। टीम के प्रति अपने विजन के बारे में उन्होंने कहा, मैं गेम को सिंपल रखना चाहता हूं और सामूहिक साथ ही व्यक्तिगत मजबूती पर फोकस करना चाहता हूं। हमारा लक्ष्य एक ऐसी टीम बनना होगा जो आकामक हॉकी को अहमियत दे लेकिन अपने रक्षात्मक खेल में भी अनुशासित रहे। यह जरूरी है कि हम पूरे 60 मिनट तक उच्च स्तर पर प्रदर्शन करने के लिए शारीरिक रूप से कड़ी मेहनत करें। टीम-फर्स्ट की अवधारणा को आगे रखते हुए हम किसी भी अंतरराष्ट्रीय चुनौती के लिए अच्छी तरह तैयार रहेंगे। व्हाइट की नियुक्ति को भारत में जूनियर हॉकी को आधुनिक तकनीक और अनुशासन को शामिल करने के लिए एक रणनीतिक कदम के तौर पर देखा जा रहा है। उनके बैकग्राउंड में हॉकी ऑस्ट्रेलिया के लिए नेशनल जूनियर कोच के तौर पर काम करना और यूरोप में हाई-परफॉर्मेंस पाथवे की देखरेख करना शामिल है।व्हाइट के कोचिंग करियर में बेल्जियम में हाल की सफलता और ऑस्ट्रेलिया के साथ पिछला अनुभव शामिल है। भारत आने से पहले, उन्होंने बेल्जियम अंडर-21 महिला टीम के कोच के तौर पर काम किया, और दिसंबर में 2025 जूनियर वर्ल्ड कप में उन्हें कांस्य पदक दिलाया था। 2021 और 2024 के बीच, वह बेल्जियम की महिला राष्ट्रीय टीम के कोचिंग स्टाफ का भी एक अहम हिस्सा थे। इस दौरान टीम ने विश्व रैंकिंग में काफी सुधार किया और 12 वें से 3 पर आ गई। 2024 पेरिस ओलंपिक गेम्स में सेमीफाइनल में जगह बनाने में कामयाब रही। अपने करियर की शुरुआत में, वह ऑस्ट्रेलिया के लिए राष्ट्रीय जूनियर कोच के पद पर थे, जहां टीम ने जूनियर विश्व कप में कांस्य पदक जीता था।

हर दिन 100 से 150 छक्के लगाने का अभ्यास, मुकुल चौधरी ने ऐसे ही नहीं लगाई केकेआर गेंदबाजों की लंका

कोलकाता, एजेंसी। आईपीएल 2026 में गुरुवार को ईडन गार्डेन्स में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के बीच हुए मुकाबले के बाद क्रिकेट फैंस की जुबान पर सिर्फ एक ही नाम है। वह नाम मुकुल चौधरी का है। मुकुल चौधरी ने केकेआर के पक्ष में जा चुके मैच को अपनी असाधारण पारी से एलएसजी की झोली में डाल दिया। मुकुल ने 27 गेंदों पर नाबाद 54 रनों की पारी खेली, जिसमें 7 बेहतरीन छक्के शामिल थे। मुकुल के लगाए छक्कों और मैच को फिनिश करने की उनकी क्षमता ने लोगों को पूर्व भारतीय कप्तान एमएस धोनी की याद दिला दी। एमएस धोनी को ही अपना आदर्श मानने वाले मुकुल चौधरी ने उनका लोकप्रिय हेलीकॉप्टर शॉट भी लगाया।

मैच के बाद अपने छक्के लगाने की क्षमता मुकुल चौधरी ने कहा, मेरा शरीर थोड़ा ताकतवर है, और यह मुझमें नैचुरली आ गया है। मैं हर दिन 100-150 छक्के मारने का अभ्यास करता हूं, इसलिए अगर आप ऐसा करते रहें तो बैट की गति बढ़ती है। मैं पिछले पांच-छह महीनों से बहुत अभ्यास कर रहा हूं,

इसलिए यह मेरे गेम में आ गया है।

हेलीकॉप्टर शॉट पर मुकुल ने कहा, मैंने बचपन से ही उस शॉट का अभ्यास किया है। मुझे हमेशा वह पसंद था, और जिस तरह से धोनी पारी खत्म करते थे। वह यॉर्कर पर भी छक्का मारते थे। अगर आप उस तरह की गेंद पर भी छक्का मारते हैं, तो गेंदबाज कुछ अलग करने के बारे में सोचता है। चौधरी की पारी से एलएसजी के कोच जस्टिन लैंगर काफी खुश नजर आए। लैंगर ने कहा, उन्हें विश्वास है कि चौधरी और भी ऊंचाइयों तक पहुंच सकते हैं। वह बहुत युवा है, और उनकी आंखों में वह चमक है। वह भूखा है। जब आप पहली बार आते हैं, तो आप बहुत मेहनत करते हैं, और उसकी जिंदगी और उसके करियर का एक बहुत बड़ा पल साबित होगा। लैंगर ने कुछ समय पूर्व कहा था कि वह चौधरी को चार महीने में भारत का सबसे डरावना नंबर 6 या नंबर 7 का बल्लेबाज बना सकते हैं। अनकैप्ड मुकुल को उनके घरेलू क्रिकेट में प्रदर्शन के आधार पर एलएसजी ने आईपीएल 2026 के लिए हुई मीनी नीलामी में 2.6 करोड़ में खरीदा था।

यूईएफए यूरोपा लीग: क्वार्टरफाइनल के पहले लेग में ब्रागा और रियल बेटिस के बीच मैच 1-1 से ड्रॉ रहा

ब्रागा, एजेंसी। यूईएफए यूरोपा लीग क्वार्टरफाइनल के पहले लेग में ब्रागा और रियल बेटिस के बीच खेला गया मुकाबला 1-1 की बराबरी पर समाप्त हुआ। एस्टाडियो म्युनिसिपल डे ब्रागा में खेले गए इस मैच में दोनों टीमों ने शानदार प्रदर्शन किया। मैच की शुरुआत में ब्रागा ने आकामक अंदाज अपनाया और इसका फायदा उन्हें जल्दी ही मिल गया। डिएगो रोड्रिग्स के कॉर्नर पर फ्लोरियन ग्रिलिट्श ने शानदार फ्लिक के जरिए गोल दागते हुए टीम को बढ़त दिलाई। इस शुरुआती गोल ने घरेलू टीम को आत्मविश्वास दिया और उन्होंने खेल पर नियंत्रण बनाए रखा। हालांकि, रियल बेटिस ने धीरे-धीरे वापसी की कोशिश की। 24वें मिनट में मार्क बार्ट्रा ने हेडर के जरिए बराबरी का मौका बनाया, लेकिन गेंद पोस्ट से टकराकर बाहर चली गई। इसके बाद भी बेटिस ने दबाव बनाए रखा और ब्रागा के गोलकीपर लुकास हॉर्निसेक को कई बार सतर्क रहना पड़ा, खासकर कुचो हर्नांडेज के क्लोज-रेंज हेडर को रोकते समय।

दूसरे हाफ में मैच और रोमांचक हो गया। बेटिस ने आकमण को तेज करने के लिए बदलाव किए, जिसमें विंगर एंटनी को मैदान पर उतारा गया। हालांकि, ब्रागा ने भी मौके बनाए और ग्रिलिट्श का एक शॉट गोलकीपर पाऊ लोपेज ने शानदार तरीके से बचाया।

मैच का टर्निंग पॉइंट तब आया जब ब्रागा के जीन-बैप्टिस्ट गोर्बी ने बॉक्स में फाउल कर दिया, जिससे बेटिस को पेनल्टी मिली। कुचो हर्नांडेज ने इस मौके को भुनाते हुए गेंद को बाएं कोने में डालकर स्कोर 1-1 कर दिया।

इसके बाद दोनों टीमों ने जीत के लिए प्रयास किए, लेकिन कोई और गोल नहीं हो सका। अब यह मुकाबला दूसरे लेग में तय होगा, जो 16 अप्रैल को सेविले में खेला जाएगा।

इस ड्रॉ के साथ, दोनों टीमों के पास सेमीफाइनल में पहुंचने का बराबर मौका है, जहां उनका सामना एससी फ्रीबर्ग या सेल्टा विगो से हो सकता है। वहीं, फाइनल 20 मई को बेसिकटास पार्क, इस्तांबुल में आयोजित होगा।

4 मुकाबलों की सीरीज खेलने भारतीय महिला हॉकी टीम अर्जेंटीना रवाना, नवनीत सभालेंगी कमान

बेंगलुरु, एजेंसी। भारतीय महिला हॉकी टीम गुरुवार शाम कर्नाटक स्थित केम्पेगौड़ा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से अर्जेंटीना के लिए रवाना हो गई। भारतीय टीम 13 से 17 अप्रैल तक ब्यूनस आयर्स में अर्जेंटीना के खिलाफ चार मुकाबलों की सीरीज खेलेगी। इस दौरे पर टीम को अपनी नियमित कप्तान सलीमा टेटे की कमी खलेगी, जो बीमारी के कारण टीम के साथ नहीं जा सकीं। उनकी गैरमौजूदगी में, अनुभवी फॉरवर्ड नवनीत कौर को इस दौरे के लिए स्टैंड-इन कप्तान बनाया गया है। अर्जेंटीना सीरीज भारत के आगामी व्यस्त अंतरराष्ट्रीय सीजन की तैयारियों का एक अहम हिस्सा है। इस सीजन में एफआईएच विमेंस हॉकी विश्व कप और एशियन गेम्स जैसे बड़े टूर्नामेंट शामिल हैं। उम्मीद है कि ये मैच टीम को बहुमूल्य अनुभव देंगे और एक मजबूत प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ अपनी रणनीतियों और तालमेल को परखने में मदद करेंगे। इस दौरे की तैयारी के लिए, भारतीय टीम बेंगलुरु में अभ्यास कर रही थी। इस दौरान टीम ने रणनीतिक अनुशासन, व्यवस्थित खेल, फिटनेस और टीम के आपसी तालमेल पर खास ध्यान दिया। कोचिंग स्टाफ ने इस कैंप का इस्तेमाल अपनी रणनीतियों को बेहतर बनाने और खेल के अहम पलों में सही फैसले लेने की क्षमता को सुधारने के लिए किया। हाल ही में हैदराबाद में हुए विश्व कप क्वालिफायर्स में उपविजेता रहने के बाद, भारतीय टीम पूरे आत्मविश्वास के साथ इस सीरीज में उतर रही है। इस शानदार प्रदर्शन से टीम को एक नई गति मिली है, और अब वे आने वाले टूर्नामेंट्स में अपने प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखने पर जोर दे रही हैं। टीम की रवानगी से पहले नवनीत ने कहा कि टीम इस चुनौती का सामना करने के लिए पूरी तरह से तैयार और उत्साहित है। हॉकी इंडिया की ओर से जारी एक बयान में उन्होंने कहा, यह सीरीज हमारे लिए अर्जेंटीना जैसी मजबूत टीम के खिलाफ खुद को परखने का एक बेहतरीन मौका है। हमने बेंगलुरु में एक बहुत ही उपयोगी ट्रेनिंग कैंप किया है। हमारा फोकस अपनी खेल संरचना को बेहतर बनाने और खेल के अहम पलों में सही फैसले लेने की क्षमता को सुधारने पर रहा है। आने वाले बड़े टूर्नामेंट्स को देखते हुए, हमारे लिए हर मैच बहुत महत्वपूर्ण है। इससे हमें अपनी लय बनाए रखने और टीम के आपसी तालमेल को और बेहतर ढंग से समझने में मदद मिलेगी।

लॉरा कार्डोसो ने बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड, टी20 इंटरनेशनल का डाला सबसे बेहतरीन स्पेल

गैबोरोन, एजेंसी। ब्राजील की लॉरा कार्डोसो ने टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में ऐतिहासिक प्रदर्शन किया है। उन्होंने बीसीए कालाहारी महिला टी20 इंटरनेशनल टूर्नामेंट 2026 के दौरान इस फॉर्मेट का अब तक का सबसे बेहतरीन स्पेल डाला। ब्राजील की कप्तान ने लेसोथो के खिलाफ खेलते हुए 3 ओवर के स्पेल में सिर्फ 4 रन देकर 9 विकेट चटकाए। लॉरा कार्डोसो पुरुषों और महिलाओं के टी20 इंटरनेशनल मुकाबलों में एक ही पारी में 9 विकेट लेने वाली पहली गेंदबाज बन गई हैं। पुरुषों के टी20 इंटरनेशनल में बेस्ट गेंदबाजी स्पेल डालने का रिकॉर्ड सोनम येशे के नाम था, जिन्होंने 2025 में म्यांमार के खिलाफ 7 रन देकर 8 विकेट निकाले थे। वहीं, महिला टी20 इंटरनेशनल में यह रिकॉर्ड इससे पहले रोहमालिया रोहमालिया के नाम था, जिन्होंने मंगोलिया के खिलाफ बिना कोई रन दिए 7 विकेट झटके थे। कार्डोसो ने अपने यादगार स्पेल से इन दोनों ही गेंदबाजों के रिकॉर्ड को तोड़ दिया है। वह इस फॉर्मेट का सबसे बेहतरीन स्पेल फेंकने वाली गेंदबाज बन गई हैं। लॉरा कार्डोसो ने अपने स्पेल के पहले ही ओवर में शानदार गेंदबाजी करते हुए हैट्रिक ली। इसके बाद अगले ओवर में उन्होंने घातक गेंदबाजी करते हुए 4 विकेट निकाले। दो ओवर के स्पेल में ही 7 विकेट चटकाने के बाद कार्डोसो ने तीसरे ओवर में 2 विकेट और चटकाए और कुल 9 विकेट झटके। लेसोथो की पूरी टीम 6.2 ओवरों में सिर्फ 13 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। कार्डोसो के अलावा एकमात्र विकेट मैरिएन आर्थर ने लिया, जिससे ब्राजील को 189 रनों की जबरदस्त जीत मिली।

इससे पहले, ब्राजील ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 202 रनों का विशाल लक्ष्य रखा। टीम की ओर से रोबर्टा एवरी ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 35 गेंदों में

48 रन बनाए, जबकि मोननिक मचाडो ने 41 गेंदों में 69 रनों की दमदार पारी खेली। पूरे टूर्नामेंट के दौरान ब्राजील कमाल की फॉर्म में नजर आई है। पिछले मुकाबले में टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए जाम्बिया की महिला टीम को 174 रनों से रौंदा था। इस मुकाबले में कार्डोसो ने तेज तर्रार अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए अर्धशतकीय पारी खेली थी, जबकि लॉरा अगाथा ने 62 रनों का योगदान दिया था। दोनों ने मिलकर 105 रनों की अहम साझेदारी निभाई थी, जिसके दम पर ब्राजील की टीम 5 विकेट गंवाकर 200 रन बनाने में सफल रही थी। हालांकि, इसके जवाब में जाम्बिया की पूरी टीम 15.1 ओवर में सिर्फ 26 रन बनाकर सिमट गई थी।

उनके योगदान को याद रखा जाएगा, बीसीसीआई ने सीडी गोपीनाथ के निधन पर जताया शोक

मुंबई, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने गुरुवार को भारत के पूर्व क्रिकेटर सीडी गोपीनाथ के निधन पर शोक जताया है, जिनका गुरुवार को 96 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। भारत को पहला टेस्ट-जिताने वाली टीम के सदस्य गोपीनाथ ने भारत को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उभारने में शुरुआती योगदान दिया था। 1 मार्च 1930 को चेन्नई (जिसे तब मद्रास के नाम से जाना जाता था) में जन्मे गोपीनाथ क्रिकेट के एक सुनहरे दौर का प्रतिनिधित्व करते थे। इस दाएं हाथ के बल्लेबाज ने मद्रास के लिए घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छे प्रदर्शन के दम पर पहचान बनाई, जिससे आखिरकार राष्ट्रीय टीम में उनके चयन का रास्ता साफ हुआ। गोपीनाथ ने 1951-52 की इंग्लैंड के खिलाफ खेली गई सीरीज में अपना टेस्ट डेब्यू किया और तुरंत ही अपनी छाप छोड़ी। अपने पहले ही मैच में उन्होंने नाबाद अर्धशतक लगाया, जिसके बाद उसी सीरीज में ब्रेबोर्न स्टेडियम में भी उन्होंने एक शानदार पारी खेली। उन्होंने अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच 1960 में ईडन गार्डन्स में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था।

चेन्नई में इंग्लैंड के खिलाफ भारत की ऐतिहासिक टेस्ट जीत में भी गोपीनाथ ने अहम भूमिका निभाई थी। उस मैच में उन्होंने 35 रनों का महत्वपूर्ण योगदान दिया और ब्रायन स्टैथम को आउट करने के लिए एक शानदार कैच लपका। यह कैच उन्होंने वीनू मांकड़ की गेंद पर लिया था। वीनू मांकड़ उस मैच के सबसे बड़े हीरो रहे थे, उन्होंने पहली पारी में 55 रन देकर 8 विकेट और दूसरी पारी में 4 विकेट लिए थे। इस तरह पूरे मैच में कुल 12 विकेट लेकर उन्होंने भारत को यह ऐतिहासिक जीत दिलाने में मदद की थी।

घरेलू स्तर पर, गोपीनाथ मद्रास क्रिकेट के एक प्रमुख स्तंभ थे। उन्होंने टीम की कप्तानी की और भारत के घरेलू क्रिकेट सर्किट के शुरुआती वर्षों में इसके विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया। 1954-55 में मद्रास के पहली बार रणजी ट्रॉफी जीतने में भी उन्होंने अहम भूमिका निभाई थी और फाइनल मैच में शतक जड़ा था।

खेल से संन्यास लेने के बाद भी, गोपीनाथ ने विभिन्न भूमिकाओं में भारतीय क्रिकेट की सेवा जारी रखी, जिनमें राष्ट्रीय चयनकर्ता और चयन समिति के अध्यक्ष जैसे पद शामिल हैं। उन्होंने 1979 में इंग्लैंड के दौरे पर गई भारतीय टीम के मैनेजर की भूमिका भी निभाई और दशकों तक इस खेल से गहराई से जुड़े रहे।

बीसीसीआई के अध्यक्ष मिथुन मन्हास ने कहा, सीडी गोपीनाथ उस दौर का प्रतिनिधित्व करते थे, जब भारतीय क्रिकेट अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी पहचान बनाना शुरू कर रहा था। उन्होंने न केवल भारत के लिए योगदान दिया, बल्कि मद्रास की शुरुआती सफलताओं में भी अहम भूमिका निभाई। चयन समिति के अध्यक्ष और टीम मैनेजर के तौर पर खेल के साथ उनका लगातार जुड़ाव क्रिकेट के प्रति उनकी गहरी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। हम उनके निधन पर शोक व्यक्त करते हैं और उनके परिवार तथा प्रियजनों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदनाएं प्रकट करते हैं।

बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैकिया ने कहा, सीडी गोपीनाथ उस पीढ़ी से ताल्लुक रखते थे, जिसने भारतीय क्रिकेट के शुरुआती वर्षों को संवारने में मदद की। भारत की पहली टेस्ट जीत का हिस्सा होना एक ऐसा गौरव है, जिसे हमेशा याद रखा जाएगा। उन्होंने अपने खेलने के दिनों के काफी बाद तक भी खेल में अपना योगदान जारी रखा, और भारतीय क्रिकेट के साथ उनका जुड़ाव वर्षों तक मजबूत बना रहा। बीसीसीआई उनके परिवार और प्रियजनों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदनाएं व्यक्त करता है।

अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में गोपीनाथ ने आठ टेस्ट मैच खेले और 242 रन बनाए, जिसमें एक नाबाद अर्धशतक भी शामिल है। प्रथम श्रेणी क्रिकेट में उन्होंने 83 मुकाबलों में 4,259 रन बनाए, जिसमें नौ शतक और 23 अर्धशतक शामिल हैं।

एचपीवी टीकाकरण अभियान की जागरूकता के लिए सीईओ जिला पंचायत ने ली बैठक

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस के निर्देशन में जिले में संचालित एचपीवी टीकाकरण अभियान को प्रभावी एवं व्यापक बनाने के उद्देश्य से शुक्रवार को जिला पंचायत सभाकक्ष में सीईओ जिला पंचायत शैलेंद्र सिंह ने विभिन्न महिला सामाजिक संगठनों के साथ बैठक की बैठक में एचपीवी टीकाकरण अभियान की जिले में जागरूकता बढ़ाने एवं अभियान को जन-जन तक पहुंचाने के लिए विस्तृत चर्चा की गई बैठक में सीएमएचओ डॉ. मनोज शुक्ला, डीपीसी विष्णु त्रिपाठी, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नलिनी शुक्ला, जिला कार्यक्रम अधिकारी राजीव सिंह सहित इनरव्हील क्लब, उदगम, लायंस राज क्लब, उपकार तथा लायंस हेल्पिंग हैंड महिला संगठन की पदाधिकारी सदस्य उपस्थित रहे सीईओ जिला पंचायत शैलेंद्र सिंह ने कहा कि एचपीवी टीकाकरण बालिकाओं के स्वास्थ्य सुरक्षा की दिशा में एक अत्यंत महत्वपूर्ण पहल है। जिसे जनसहभागिता के माध्यम से ही सफल बनाया जा सकता है। उन्होंने सभी संगठनों से अपील की कि वे अपने-अपने स्तर पर अधिक से अधिक जागरूकता गतिविधियां संचालित करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अभियान की प्रगति की नियमित समीक्षा की जाए और किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि यह बैठक जिले में स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा देने तथा बालिकाओं के सुरक्षित भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज शुक्ला ने एचपीवी टीकाकरण के महत्व पर बताया कि यह टीका बालिकाओं को गंभीर बीमारियों से बचाने में सहायक है उन्होंने कहा कि समय पर टीकाकरण से भविष्य में स्वास्थ्य संबंधी जोखिमों को काफी हद तक कम किया जा सकता है जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नलिनी शुक्ला ने अभियान की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि जिले में चिन्हित आयु वर्ग की बालिकाओं को टीकाकरण के दायरे में लाने के लिए विशेष रणनीति बनाई गई है साथ ही विद्यालयों एवं आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से जागरूकता कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। बैठक में जिला परियोजना समन्वयक विष्णु त्रिपाठी, जिला कार्यक्रम अधिकारी राजीव सिंह ने भी अपने विचार रखते हुए अभियान के सफल क्रियान्वयन हेतु समन्वय और सहयोग पर जोर दिया सभी अधिकारियों ने सामाजिक संगठनों के साथ मिलकर कार्य करने की आवश्यकता बताई बैठक के दौरान विभिन्न महिला संगठनों की प्रतिनिधियों ने अपने सुझाव साझा किए और आश्वस्त किया कि वे जनजागरूकता अभियान को घर-घर तक पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभाएंगी उन्होंने विशेष रूप से ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने की बात कही कार्यक्रम के अंत में एचपीवी टीकाकरण अभियान में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शासकीय कर्मचारियों को सम्मानित किया गया।

ट्रांसफार्मर से निकली चिंगारी से खेत में लगी आग 10 एकड़ में खड़ी गेहूं की फसल जलकर राख

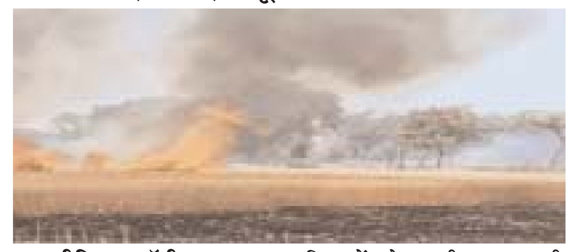

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। रैगांव थाना क्षेत्र के करसरा गांव में शुक्रवार दोपहर ट्रांसफार्मर से निकली चिंगारी से गेहूं के खेतों में भीषण आग लग गई। इस घटना में करीब आधा दर्जन किसानों की लगभग 10 एकड़ में खड़ी गेहूं की फसल पूरी तरह जलकर राख हो गई यह घटना दोपहर करीब 12 बजे हुई, जब ट्रांसफार्मर से निकली चिंगारी सूखी फसल पर गिरी। तेज हवा के कारण आग तेजी से फैली और आसपास के कई खेत इसकी चपेट में आ गए। आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया आग से प्रभावित किसानों में बेटू शुक्ला, रामकलेश शुक्ला, राजू पयासी, विद्याधर शुक्ला, प्रेमलाल शुक्ला और मनमोहन शर्मा शामिल हैं इन किसानों को अपनी सालभर की मेहनत का भारी नुकसान हुआ है आग लगते ही ग्रामीणों ने एकजुटता दिखाते हुए स्थानीय संसाधनों की मदद से आग बुझाने का प्रयास शुरू कर दिया। बोरिंग के पानी और खेतों की मेड़ों को काटकर कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया, लेकिन तब तक फसल को भारी क्षति हो चुकी थी घटना के बाद राजस्व विभाग की टीम द्वारा किसानों को हुई क्षति का आकलन किया जाएगा। प्रभावित किसानों ने प्रशासन से तत्काल मुआवजे की मांग की है। ग्रामीणों ने बिजली विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए ट्रांसफार्मर की नियमित जांच और सुधार की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

संत रविदास जयंती वर्ष, सतना जिले में होंगे वर्षभर सामाजिक समरसता के कार्यक्रम

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। संत रविदास जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में सतना जिले में पूरे वर्ष विभिन्न सामाजिक समरसता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। मध्यप्रदेश शासन के अनुसूचित जाति कल्याण विभाग एवं आयुक्त अनुसूचित जाति विकास, भोपाल द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार इस वर्ष को विशेष रूप से मनाने का निर्णय लिया गया है जिला प्रशासन द्वारा इस पहल को सामाजिक एकता और समरसता को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है इसके अंतर्गत वर्षभर विविध गतिविधियां जागरूकता कार्यक्रम संगोष्ठियां और सांस्कृतिक आयोजन आयोजित किए जाएंगे जिनका उद्देश्य समाज में समानता भाईचारा और सहयोग की भावना को मजबूत करना है कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने सभी विभाग प्रमुखों को निर्देशित किया है कि प्रस्तावित कार्यक्रमों के सफल आयोजन के लिए समय रहते आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करें। उन्होंने यह भी कहा कि सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए इन आयोजनों को प्रभावी और व्यापक रूप से संचालित करें। प्रशासन का लक्ष्य है कि इन कार्यक्रमों के माध्यम से संत रविदास के विचारों और संदेशों को जन-जन तक पहुंचाया जाए। विशेष रूप से युवाओं और नई पीढ़ी को उनके आदर्शों से प्रेरित करने पर जोर दिया जाएगा ताकि समाज में समानता और सद्भाव की भावना और अधिक सुदृढ़ हो सके यह आयोजन न केवल एक धार्मिक और सांस्कृतिक पहल है बल्कि सामाजिक जागरूकता और एकता को बढ़ावा देने का सशक्त माध्यम भी बनेगा।

राष्ट्रीय सिंधी भाषा दिवस पर भारतीय सिंधू सभा का भव्य आयोजन

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। भारतीय सिंधू सभा, सतना द्वारा मनोहर धाम में राष्ट्रीय सिंधी भाषा दिवस के अवसर पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया इस कार्यक्रम की अध्यक्षता भारतीय सिंधू सभा के संस्थाध्यक्ष अशोक चांदवानी जी ने की और महंत स्वामी संतोख दास जी कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे इस भव्य आयोजन में समाज के विभिन्न गणमान्य व्यक्तियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज की और सिन्धी भाषा एवं संस्कृति के महत्व पर चर्चा की कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान झूलेलाल और चंद्र जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण और पुष्प वर्षा से हुआ तत्पश्चात महंत स्वामी संतोख दास जी का सम्मान शाल और माला पहनाकर किया गया कार्यक्रम में महामंत्री विनोद गेलानी ने अतिथियों का स्वागत करते हुए आयोजन की शुरुआत की संस्थाध्यक्ष अशोक चांदवानी ने अपने उद्घाटन भाषण में सिन्धी भाषा के संवैधानिक दर्जे की 56वीं वर्षगांठ को याद करते हुए कहा कि 10 अप्रैल 1967 को सिन्धी भाषा को संविधान के आठवें शेड्यूल में शामिल कर संवैधानिक दर्जा प्राप्त हुआ उन्होंने कहा किसी भी जाति या समुदाय की पहचान उसकी मातृभाषा से होती है और हमें अपनी संस्कृति एवं मातृभाषा पर गर्व करना चाहिए इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष सतीश सुखेजा ने समाज में फैली कुरीतियों को समाप्त करने और संगठन की शक्ति को बढ़ाने पर बल दिया वहीं कन्हैया लाल पोहानी ने इस दिन को गौरवमयी बताते हुए उपराष्ट्रपति द्वारा सिन्धी भाषा में लिखे संविधान के विमोचन की बात की मनोहर वाधवानी ने भी मातृभाषा के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि हर व्यक्ति को अपनी भाषा का ज्ञान होना चाहिए क्योंकि भाषा ही उसकी पहचान है कार्यक्रम के दौरान सिन्धी भाषा पर आधारित विचार संगोष्ठी का आयोजन किया गया प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य गोपीचंद कापड़ी विजय जग्यासी मनोहर आर्तनी और अन्य समाजसेवियों ने भी अपने विचार साझा किए बच्चों के लिए आयोजित सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में विजेताओं को स्मृति चिन्ह और सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया कार्यक्रम का सफल संचालन विनोद गेलानी ने किया जबकि आभार मंत्री इंद्रलाल कापड़ी ने धन्यवाद ज्ञापित किया कार्यक्रम के समापन में स्वल्पहार का आयोजन किया गया इस अवसर पर कई प्रमुख समाजसेवी जैसे बाबा संतोख दास जी अभय मुनी जी, प्रेम मुनिजी गोपीचंद कापड़ी विजय जग्यासी मनोहर आरतानी और अन्य उपस्थित रहे यह कार्यक्रम सिन्धी भाषा और संस्कृति के प्रति समाज में जागरूकता और गर्व को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

जिला सतर्कता एवं मॉनिटरिंग समिति की बैठक 13 अप्रैल को, अत्याचार निवारण मामलों की होगी समीक्षा

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। अनुसूचित जाति एवं जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम 1989 तथा संशोधित नियम 2016 के तहत जिला स्तर पर महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन 13 अप्रैल को किया जाएगा। यह बैठक कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी डॉ. सतीश कुमार एस की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में सायं 5 बजे से आयोजित होगी शासन के निर्देशानुसार 8 अप्रैल से 14 अप्रैल तक डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती के उपलक्ष्य में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं इसी क्रम में जिला सतर्कता एवं मॉनिटरिंग समिति की यह बैठक अहम मानी जा रही है जिसमें अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन की समीक्षा की जाएगी उजिला संयोजक जनजातीय कार्य विभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार बैठक में अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत दर्ज प्रकरणों की स्थिति पर विस्तार से चर्चा की जाएगी विभिन्न श्रेणियों में स्वीकृत मामलों और पीड़ितों को दी गई सहायता राशि एवं उसके भुगतान की समीक्षा भी की जाएगी इसके अलावा अधिनियम के प्रावधानों के पालन में जिम्मेदार अधिकारियों और संबंधित एजेंसियों की भूमिका का मूल्यांकन किया जाएगा विशेष न्यायालयों में लंबित एवं निराकृत मामलों के साथ-साथ पुलिस स्तर पर दर्ज प्रकरणों और अनुसंधान की प्रगति पर भी विचार-विमर्श होगा प्रशासन का उद्देश्य इस बैठक के माध्यम से लंबित मामलों के त्वरित निराकरण, पीड़ितों को समय पर सहायता और कानून के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करना है बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारी और समिति के सदस्य उपस्थित रहेंगे।

आदिवासी बस्ती के पास अवैध उत्खनन जारी

रोकने गए पटवारी से बहस, बिना कार्रवाई लौटे तहसीलदार ने जांच का आदेश दिया

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना जिले की रामपुर बाघेलान तहसील के ग्राम बगहाई में अवैध उत्खनन का मामला गहरा गया है। यहां आदिवासी बस्ती के समीप कथित तौर पर बिना अनुमति मिट्टी की खुदाई कर रेलवे ठेकेदार को बेची जा रही है। शुक्रवार को उत्खनन रोकने पहुंचे हल्का पटवारी प्रभाकर सिंह को मौके पर मौजूद लोगों के विरोध का सामना करना पड़ा यह उत्खनन आराजी नंबर 717/1/4 (आबादी भूमि) और 717/3/1 (निजी भूमि) पर षटबदन सिंह द्वारा कराया जा रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि यह कार्य लगातार जारी है, जिससे स्थानीय लोगों में आक्रोश है सूचना मिलने पर पटवारी प्रभाकर सिंह दोपहर करीब एक बजे मौके पर पहुंचे। उन्होंने उत्खनन रोकने का प्रयास किया, जिस दौरान वहां मौजूद लोगों से उनकी बहस हो गई। पटवारी ने स्पष्ट किया कि कोई अभद्रता नहीं हुई, बल्कि केवल मौखिक बहस हुई थी अकेले होने के कारण वे पंचनामा तैयार कर वापस लौट आए पटवारी प्रभाकर सिंह ने तत्काल घटना की जानकारी तहसीलदार सुजीत नागेश को दी और रामपुर बाघेलान थाना प्रभारी को भी सूचित किया। आरोप है कि पुलिस ने इसे खनन से जुड़ा मामला बताते हुए तत्काल बल भेजने से इनकार कर दिया, जिससे प्रशासनिक समन्वय पर सवाल उठ रहे हैं तहसीलदार ने जांच के निर्देश दिए ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में दिन-रात अवैध उत्खनन जारी है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है। आदिवासी बस्ती के पास हो रही इस खुदाई से पर्यावरण और सुरक्षा संबंधी चिंताएं बढ़ गई हैं। ग्रामीणों ने अवैध उत्खनन पर तत्काल रोक लगाने और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है इस संबंध में तहसीलदार सुजीत नागेश ने बताया कि पटवारी को जमीन की विस्तृत जांच रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं।

टोल प्लाजा के पास नरवाई में लगी आग, दमकल की तीन टीमों ने बड़ा नुकसान होने से बचाया

मीडिया ऑडीटर, मैहर। (निप्र)। मैहर जिले के सोनवारी क्षेत्र में टोल प्लाजा के पास नरवाई में भीषण आग लग गई इस आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया, जिससे आसपास खड़ी फसलों को बड़ा खतरा पैदा हो गया था घटना की सूचना तत्काल दमकल विभाग को दी गई। जानकारी मिलते ही तीन फायर ब्रिगेड वाहन मौके पर पहुंचे और आग बुझाने का काम शुरू किया कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया, जिससे बड़े नुकसान को टाल दिया जा सका स्थानीय लोगों ने बताया कि आग तेजी से फैल रही थी और पास के खेतों में खड़ी फसलें इसकी चपेट में आ सकती थीं हालांकि, समय रहते राहत कार्य शुरू होने से स्थिति को नियंत्रण में कर लिया गया आग बुझाने के अभियान में ग्रामीणों ने भी सक्रिय भूमिका निभाई उन्होंने पानी और अन्य संसाधनों के माध्यम से दमकल कर्मियों का सहयोग किया, जिससे आग पर जल्द काबू पाया जा सका फिलहाल, आग लगने के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। यह अभी स्पष्ट नहीं हो सका है कि आग नरवाई में स्वत: लगी थी या किसानों द्वारा लगाई गई थी।

सशक्त वाहिनी अभियान की 4 बेटियां बनीं पुलिस आरक्षक, 19 का विभिन्न विभागों में चयन

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत संचालित सशक्त वाहिनी अभियान एक बार फिर जिले की बेटियों के लिए सफलता की मिसाल बना है महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित नि:शुल्क कोचिंग के माध्यम से प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली 4 बेटियों का मध्यप्रदेश पुलिस में आरक्षक पद पर चयन हुआ है। चयनित बेटियों में मारुति नगर की अंकिता दहिया, सतना की स्वाति रवि, खेरिया कोठार (सोनौरा) की ज्योति सिंह और कारीगोही की पिंकी सिंह शामिल हैं इन बेटियों की सफलता ने न केवल उनके परिवारों बल्कि पूरे जिले को गौरवान्वित किया है। सीमित संसाधनों के बावजूद इन छात्राओं ने कड़ी मेहनत, अनुशासन और आत्मविश्वास के दम पर यह मुकाम हासिल किया जिला प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे सशक्त वाहिनी अभियान के तहत दी जा रही नि:शुल्क कोचिंग ने इन बेटियों के सपनों को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है इस पहल के माध्यम से ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों की बालिकाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए बेहतर मार्गदर्शन मिल रहा है। जिला कार्यक्रम अधिकारी राजीव सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि अक्टूबर 2017 से मार्च 2026 तक कुल 17 बैच संचालित किए गए हैं। इन बैचों में नगर निगम क्षेत्र सहित दूर-दराज के गांवों से आई बालिकाओं ने भाग लेकर कोचिंग का लाभ उठाया अब तक कुल 19 बालिकाएं पुलिस सहित अन्य विभागों में चयनित हो चुकी हैं जो इस अभियान की सफलता को दर्शाता है चयनित बालिकाओं में रीना लोधी (आरपीएफ), सोनम वर्मा (सीआरपीएफ), साक्षी पाण्डेय (बीएसएफ), नेहा मिश्रा और अंदना कुशवाहा (दिल्ली पुलिस), लवली तिवारी (जेल प्रहरी), अंशु कुशवाहा (आईटीबीपी) सहित कई अन्य नाम शामिल हैं इसके अलावा कुछ बालिकाओं का चयन रेलवे, पैरामेडिकल और शिक्षा विभाग में भी हुआ है। कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने सभी चयनित बेटियों को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि जिले की अन्य बालिकाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है उन्होंने कहा कि सही मार्गदर्शन अवसर और दृढ़ संकल्प के साथ बेटियां हर क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकती हैं यह अभियान न केवल बेटियों को आत्मनिर्भर बना रहा है बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव की दिशा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

बाबा साहब अंबेडकर की प्रतिमा तोड़ी कालिख पोती

नाराज ग्रामीणों ने किया चक्काजाम प्रशासन ने चित्रकूट से मंगाया नया स्टेच्यू

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना में डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर कालिख पोतने और उसे तोड़ने का मामला सामने आया है। शुक्रवार सुबह जब यह घटना गांववालों को पता चली तो वे भड़क गए उन्होंने धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया इसकी सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और कार्रवाई का भरोसा दिया इसके बाद गांव वाले माने घटना उचेहरा थाना क्षेत्र के गोबरांव कलां की है बताया जा रहा है कि गुरुवार दिन प्रतिमा ठीक हालत में थी यह घटना रात में ही अंजाम दी गई चक्काजाम के कारण उचेहरा-नागौद मार्ग डेढ़ घंटे तक बाधित रहा पुलिस ने कहा है कि गांववालों से बयान लेकर मामले की जांच की जाएगीप्रशासन अपने खर्च पर प्रतिमा दोबारा स्थापित कराएगा ग्रामीण बोले- कुछ लोगों ने प्रतिमा तोड़ने की धमकी दी थी ग्रामीणों का आरोप है कि बीते दिनों गांव के कुछ लोगों को बाबा साहब की प्रतिमा तोड़ने की धमकी दी गई थी उन्होंने आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी और खंडित प्रतिमा के स्थान पर नई प्रतिमा स्थापित करने की मांग की प्रशासन ने चित्रकूट से नई अंबेडकर प्रतिमा मंगाई प्रशासन ने चित्रकूट से नई अंबेडकर प्रतिमा मंगाई है ग्रामीणों ने भी पूजा-पाठ के साथ नई मूर्ति की स्थापना की तैयारी कर ली है एसडीएम सोमेश द्विवेदी ने बताया कि स्थिति पूरी तरह शांतिपूर्ण है और नई प्रतिमा आते ही विधि-विधान के साथ स्थापित करा दी जाएगी।

ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर 'आरोह 2026' की तैयारी, 13 अप्रैल को बैठक

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। संचालनालय खेल एवं युवा कल्याण भोपाल के निर्देशानुसार जिले में हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जाएगा 'आरोह 2026' नामक इस शिविर के सफल संचालन को लेकर 13 अप्रैल को महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की जाएगी यह बैठक कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष सतना में सायं 5:30 बजे आयोजित होगी बैठक में पुलिस अधीक्षक हंसराज सिंह भी विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। जिला प्रशासन इस शिविर को युवाओं के लिए बेहतर अवसर के रूप में विकसित करने की दिशा में सक्रिय है जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि बैठक में शिविर के आयोजन से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की जाएगी। इसमें खेलों का चयन प्रशिक्षण की व्यवस्था प्रशिक्षकों की नियुक्ति खिलाड़ियों के पंजीयन और आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता जैसे महत्वपूर्ण विषय शामिल होंगे ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का उद्देश्य जिले के बच्चों और युवाओं को खेलों के प्रति प्रेरित करना तथा उनकी प्रतिभा को निखारना है इसके माध्यम से प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा और उन्हें उच्च स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार किया जाएगा जिला खेल अधिकारी ने संबंधित सभी विभागों के अधिकारियों से बैठक में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने का आग्रह किया है ताकि समन्वय के साथ शिविर को सफल बनाया जा सके प्रशासन का लक्ष्य है कि 'आरोह 2026' शिविर युवाओं के लिए प्रेरणादायक और उपयोगी साबित हो।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।